डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 | वर्ष : 08 | अंक : 19 | मूल्य: 5 रुपए | पृष्ठ : 6 | R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की... | साप्ताहिक समाचार पत्र

# हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

जयपुर, मंगलवार, 02 नवम्बर, 2021

RAJHIN16831/20/01/2013-TC | hillviewsamachar@gmail.com

## नारी शक्ति की बेहतरीन उदाहरण श्रीमती इंदिरा गांधी

(पुण्यतिथि (31 अक्टूबर) पर विनम्र श्रद्धांजलि)

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अंतिम घड़ी तक दादी निडरता से देश सेवा में लगी रहीं। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, मेरी दादी अंतिम घड़ी तक निडरता से देश सेवा में लगी रहीं।उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। इंदिरा गांधी जी के बलिदान दिवस पर हिलव्यू समाचार विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है। इंदिरा गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में पहचान रखती हैं। इंदिरा गाँधी का जीवन परिचय काफी रोचक हैं। उनका इंदु से लेकर इंदिरा और फिर प्रधानमंत्री बनने तक का सफर ना केवल प्रेरणादायी है, बल्कि भारत में महिला सशक्तिकरण के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय भी हैं. उन्होंने 1966 से लेकर 1977 तक और 1980 से लेकर मृत्यु तक देश के प्रधानमंत्री का पदभार सम्भाला था। इंदिरा के सिद्धांत एवं कार्यप्रणाली से देश को गति और विकास मिला। तात्कालीन सत्ताएं भी उनके मार्गदर्शन पर चलकर देश को सही दिशा प्रदान करने की प्रेरणा लेती हैं।

### गहलोत का कोरोना पर फिर अलर्ट:

# भारत में भी बढ़ रहे हैं केसेस, त्योहारों में नजरअंदाज़ न करें प्रोटोकॉल

कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** कोरोना के बढ़ते केस को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनता को एक बार फिर अलर्ट किया है। गहलोत ने रविवार को सोशल मीडिया पर कोरोना के देश में बढ़ते केस और त्योहारी सीजन में आमजन की लापरवाही पर चिंता जताई है। गहलोत ने लिखा है- 'मैं पुनः सचेत करना चाहूंगा कि दुनिया के कई देशों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत में भी कोरोना के मामले पहले की तुलना में बढ़े हैं। त्योहारों के इस खुशियों भरे माहौल में प्रोटोकॉल का पालन करना न भूलें। मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें। वैक्सीन की दोनों डोज अवश्य लें।'

**केंद्र से नए स्ट्रेन के लिए SOP बनाने की मांग कर चुके गहलोत:** करीब एक सप्ताह पहले भी गहलोत कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन को लेकर चिंता जताई थी। गहलोत ने नए डेल्टा प्लसAY.4.2 के मामले में केन्द्र



सरकार से मांग रखी है कि वक्त रहते दूसरे देशों के अनुभवों के आधार पर इसकी रोकथाम के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि त्योहारी माहौल में कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं हुआ तो यह वायरस बहुत तेजी से भारत में भी फैल सकता है। वर्तमान में नए स्ट्रेन के कारण अमेरिका, यूरोप, रूस, चीन में तीसरी लहर आई है।

**तेजी से फैलने वाला है यह स्ट्रेन:** हाल ही में नेशनल सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल ने जीनोम सीक्वेंसिंग की रिपोर्ट में मध्य प्रदेश के इंदौर में इस नए वैरिएंट के 7 केस का खुलासा किया है। महाराष्ट्र में भी 1 फीसदी सैंपल में नए डेल्टा प्लस वैरिएंट का पता चला है। वैज्ञानिकों ने भी ऐसे संकेत दिए हैं कि कोविड का नया स्ट्रेन पिछले डेल्टा वैरिएंट की तुलना में ज्यादा घातक हो सकता है। इससे पहले भारत में जब कोरोना की दूसरी लहर आई थी, तब डेल्टा वैरिएंट ने जबरदस्त तबाही मचाई थी। हजारों लोगों की जान चली गई थी और लाखों लोग इसकी चपेट में आए थे।

**राजस्थान में बढ़ेगा मूवमेंट:** राजस्थान में अगले 2 दिन में देश के दूसरे राज्यों और विदेशों से दीपावली पर अपने घर लौटने वालों का मूवमेंट तेजी से बढ़ेगा। दक्षिण भारत के राज्यों से बड़ी संख्या में काम-काज करने प्रवासी राजस्थानियों का प्रदेश में आना शुरू हो गया है। दूसरी लहर का जब पिछली बार होली के बाद आगाज हुआ था तब इसमें दूसरे राज्यों से आए लोगों की अहम भूमिका रही थी।

## ख़बर-बेख़बर

### आरएएस से आईएएस पदोन्नत पवन अरोड़ा लगातार राजधानी के मलाईदार पदों पर क्यों ?



### करोड़ों की राजस्व वसूली गौण फिर भी सरकार मौन?

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के मौकों की ज़मीनों व मकानों को औने-पौने दामों में बेच रहे हैं आवासन मंडल आयुक्त पवन अरोड़ा?

राजस्थान आवासन मंडल में बोर्ड मीटिंग के निर्णय के विरुद्ध जाकर आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा ने कोने के मकानों पर 7% की छूट देकर राजस्व को चूना लगाया है।

राजस्थान आवासन मंडल 2015 के बोर्ड का निर्णय था कि किसी भी कॉर्नर के मकानों पर मकान निर्माण के समय 10% की राशि अतिरिक्त वसूली जाएगी और इस निर्णय में छूट देने का अधिकार केवल बोर्ड को ही होगा। सरकार की लंबे समय से राजधानी में ही सेवा कर रहे हैं बेहद प्रिय आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा ने सरकार की राजस्व को करोड़ों का चूना लगाया है सरकार मौन है? क्यों ?

प्रताप नगर के सेक्टर 8 में 84/443 सहित सैकड़ों दर्जन मकान है जो कि कॉर्नर के हैं बोर्ड मीटिंग के निर्णय के अनुसार इन मकानों के मालिकों से निर्माण के समय 10% अतिरिक्त चार्ज लेना बनता था किंतु आयुक्त महोदय के आदेशानुसार इन कार्नर के मकानों से केवल 3% की राशि वसूली की गई और 7% राजस्व का नुकसान दिया गया। मंडल सूत्रानुसार पूरे शहर में लगभग 500 मकान कॉर्नर के हैं जिनसे अतिरिक्त 10% चार्ज नहीं लिया गया है और अगर लिया गया है तो नाम मात्र चार्ज लिया गया है। निरन्तर राजधानी में राज करते-करते आयुक्त महोदय शायद अब राजा बन गए हैं कि राजस्व की मोहरें सरेआम लुटा रहे हैं और सरकारी ख़ज़ाना खाली कर रहे हैं और सरकार फिर भी मौन है?

**क्यों आख़िर क्यों?**

## एक नज़र

### 'एक दिवाली खुशियां बांटने वाली'

**(An exhibition of kindness)**




जयपुर क्लब में आयोजित दीपावली पूर्व पर्व के दौरान शिल्प सृजन संस्था के बच्चों द्वारा बनाए गए दीपकों को प्रदर्शनी के लिए आमन्त्रित किया गया। आगन्तुक अतिथियों ने इसे बहुत पसंद किया और बच्चों के हित और उत्साहवर्धन के लिए कई आगन्तुकों ने खरीददारी की। बच्चों की मेहनत को काफी सराहना मिली। शिल्प सृजन संस्थान शिक्षा व संस्कार से वंचित बच्चों के हित में कई आयोजन करता है जिससे इन बच्चों में आत्मविश्वास और कुछ कर दिखाने की चाहत जन्म लेती है।

## राष्ट्रीय एकता दिवस पर सचिवालय में मुख्य सचिव ने दिलाई एकता और अखंडता की शपथ



कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने कहा है कि नागरिकों को देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों में बंटे भारत को विषम परिस्थितियों में भी एक राष्ट्र बनाने का भागीरथी कार्य किया। आर्य रविवार को सचिवालय परिसर में आयोजित समारोह में बोल रहे थे। ये समारोह सरदार पटेल की जयंती पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष में आयोजित किया गया था। समारोह में मुख्य सचिव ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

इस दौरान 44वें ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज टूर्नामेंट में राजस्थान की कबड्डी तथा वॉलीबॉल की विजेता टीमें भी उपस्थित रही। मुख्य सचिव ने सभी खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट को बधाई देते हुए खेल की बारीकियों पर खिलाड़ियों से चर्चा की।

समारोह में वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोड़ा और कार्मिक विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमंत कुमार गेरा सहित अन्य अधिकारियों ने भी सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की।

# राजस्थान में डेंगू से हालत खराब

### जयपुर, कोटा, झालावाड़, करौली, अलवर में हालात बेकाब हुए, 2 की मौत, प्लेटलेट्स की किल्लत

कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** राजस्थान में डेंगू खतरनाक मोड पर आ गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट को देखे तो 29 अक्टूबर को पूरे राज्य में 593 रिकॉर्ड डेंगू के केस मिले हैं। जो एक दिन में मिले केसों में इस साल में सर्वाधिक है। इस बीच 2 मरीजों की मौत भी हुई है। सबसे ज्यादा जयपुर में 102 मरीज मिले है, यह स्थिति तब है जब जयपुर नगर निगम ग्रेटर और जयपुर नगर निगम हैरिटेज की स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी 250 वार्डों में 2 बार फोगिंग करने का दावा कर रही है। जयपुर के अलावा धौलपुर, कोटा, प्रतापगढ़, जोधपुर, बीकानेर, झालावाड़ समेत कई अन्य जगहों पर भी हालात बेकाबू है। जहां बड़ी संख्या में डेंगू, मलेरिया के मरीज मिल रहे है। SMS हॉस्पिटल के डॉक्टरों की माने तो उनके पास ज्यादातर सीरियस केस आ रहे हैं। क्योंकि बुखार होने के बाद व्यक्ति पहले अपने स्तर पर दवाइयां लेकर ठीक होने का प्रयास करते हैं, जबकि डेंगू के केस में हालात 4-5 दिन बाद तेजी से बिगड़ती है। उससे पहले व्यक्ति को सामान्य बुखार के अलावा कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं। ऐसे में डॉक्टरों का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति के बुखार है तो उसे एक बार डॉक्टर से जरूर कंसल्ट करना चाहिए, ताकि आगे की सीरियस स्थिति से बचा जा सके।

### इन जिलों में हालात खराब

चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट को देखे तो सबसे ज्यादा केस जयपुर में है, जहां अब तक डेंगू के 1886 से ज्यादा केस मिले चुके है। इसके बाद दूसरा नंबर कोटा का आता है, जहां 932 मरीज मिले है। वहीं झालावाड़ में 806, करौली 622, अलवर 578 और जोधपुर में 574 केस मिले है। पूरे राज्य में अब तक डेंगू से 23 से ज्यादा लोगों की जान चली गई, जिसमें सबसे ज्यादा मौत अलवर और दौसा जिले में 4-4 लोगों की हुई।

**छोटे शहरों में हालात बिगड़ने से जयपुर में लोड ज्यादा:** जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा जैसे बड़े शहरों में आसपास के छोटे शहरों और गांवों से बड़ी संख्या में मरीज रेफर होकर पहुंच रहे हैं। यहां अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। जयपुर के स्त्र्स हॉस्पिटल के अलावा राजकीय जयपुरिया, हरबक्श कावंटिया, सैटेलाइट हॉस्पिटल, जनाना चिकित्सालय चांदपोल और सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय में भी बड़ी संख्या में डेंगू के मरीज भर्ती हो रहे है।

**प्राइवेट हॉस्पिटल में प्लेटलेट्स की किल्लत:** दूरदराज से जयपुर रेफर होने वाले मरीजों के लिए सबसे बड़ी समस्या प्लेटलेट्स और स्ष्ठक्क किट को लेकर है। प्राइवेट हॉस्पिटल में केवल 4 हॉस्पिटल ही ऐसे है जहां ब्लड बैंक में स्ष्ठक्क किट उपलब्ध है। इसके अलावा शेष हॉस्पिटल के मरीजों को सरकारी या इन चार निजी ब्लड बैंक से ही प्लेटलेट्स और SDP किट लेनी पड़ रही है।

# संस्कार और भावों का त्यौहार है दीपावली

संपत सारस्वत, सूरत

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के वनवास काल खत्म होने के बाद वापिस सकुशल अयोध्या लौटने पर स्वागत में अयोध्या निवासियों द्वारा घी के दीपक जलाए गए थे उसी प्रथा को सनातन संस्कृति के सबसे बड़े त्यौहार के रूप में मनाए जाने वाले त्यौहार का नाम है दीपावली ।

भगवान श्री राम के 14 वर्ष के वनवास ने ये संदेश दिया कि कैसे अपने पिता के वादे को निभाया जाता है और किस प्रकार मातृत्व, पितृत्व, भ्रातृत्व धर्म को निभाया जाता है जीवन काल के संकटों से लड़कर तकलीफ के दौर में भी मजबूती से साहस और संयम से रहकर स्वाभिमान से जिया जा सकता है वन में रहकर दैनिक जीवन यापन के लिए खुद अपने हाथ से मेहनत कर जिंदगी जीने का पाठ पढ़ाता है भगवान श्री राम का वनवास, इसी वनवास के पूर्ण होने पर अयोध्या लौटने पर निवासियों ने दीप प्रज्वलित कर दिवाली मनाई और मिठाई बांटी गई और सभी ने हिलमिलकर इस त्यौहार को मनाया, उस काल से लेकर अब तक हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार दीपावली के दिनों में धनतेरस, लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा व भाई दूज जैसे त्यौहार मनाए जाते है श्रद्धा व विश्वास का प्रतीक दीपावली का त्यौहार आज की पीढ़ी के लिए ना केवल प्रेरणादायक है बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के व्यक्तित्व तथा माता सीता के चरित्र का अनुसरण करने योग्य है आज भी इस दौर में हर व्यक्ति भगवान श्रीराम का अनुसरण करते हुए उनकी परिपाटी पर चलना चाहता है वही माता सीता को भी अपना प्रेरणादाई मानकर मातृशक्ति उनके त्याग तप व संयम को अपने जीवन में उतारना चाहती है।

पूरे विश्व में दीपावली के त्यौहार को मनाए जाने के साथ-साथ विश्व में इंडोनेशिया, बाली, श्रीलंका ऐसे कई देश हैं जो खुद को आर्यावर्त का हिस्सा मानकर दीपावली के त्यौहार को बड़ी ही विनम्रता और उत्साह के साथ मनाते हैं। परंतु हिंदुस्तान की व्यवस्था प्रणाली में यह भी एक दुर्भाग्य है की आजादी से लेकर अब तक सबसे ज्यादा सत्ता में बैठी रहने वाली सरकारों ने कभी-कभी भगवान श्री राम के अस्तित्व पर भी सवाल उठाएं हैं और देश के अंदर जहर घोलने वाली वामपंथी विचारधारा ने सनातन संस्कृति के ऊपर मनाए जाने वाले त्यौहारों पर हमेशा से ही सवालिया निशान उठाए। बिना तथ्य वह बिना विस्तृत जानकारी के सनातन संस्कृति को खंडित करने तथा अखंड भारत के आपसी परस्पर प्रेम को तोड़ने में वामपंथी विचारधारा ने भरपूर प्रयास किए हैं यह विचारधारा ना केवल भगवान श्रीराम पर सवाल उठाती है बल्कि सनातन संस्कृति के त्यौहार जैसे महाशिवरात्रि, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, होली, महाशिवरात्रि और अनेक त्यौहार जिन पर अलग अलग तरीके से व्यंग्य कसकर आज की युवा पीढ़ी को पथ भ्रमित करने का दुस्साहस करती है। शिक्षा को आधार माने या लोगों में जागृति आई है इस बात को आधार मानने पर कहीं ना कहीं अब लोगों में जागरूकता बढ़ने लगी है और उसी जागरूकता के बलबूते पर सनातन संस्कृति के त्यौहारों पर सवाल उठाने पर युवा सामने आकर वामपंथी विचारधारा को मुंहतोड़ जवाब देने लगा है। हमें हमारे त्यौहारों को ज़िंदा रखना होगा और त्यौहारों से जुड़ी हुई कथा कहानियां और वास्तविक घटनाओं को अपनी भावी पीढ़ी से परिचय कराना होगा तब जाकर ही हम हमारे धर्म और हिंदुस्तान को बचाने में सफल हो पाएंगे ।

### बुनकर संघ चरमराया

## तीन माह से कर्मचारियों को वेतन नहीं

**जयपुर ।** राजस्थान में बुनकरों के हितार्थ कार्य करने वाली सबसे बड़ी संस्था राजस्थान राज्य बुनकर संघ की वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है हालात ऐसे हो गए हैं कि बुनकर संघ लगभग 3 माह से अपने कर्मचारियों को नियमित वेतन भुगतान नहीं कर पा रहा है। जिसके कारण कर्मचारियों की दीपावली की रंगत फीकी रहने के आसार हैं।

### कृषि भूमि पर बनी कॉलोनियों के लिए बड़ी राहत

# 300 वर्गमीटर तक फ्री होल्ड पट्टे का प्रीमियम घटाया, सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं को 100% छूट

कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** राजस्थान सरकार ने प्रशासन गांवों के संग अभियान के दौरान लोगों को बड़ी राहत दी है। कृषि भूमि पर बने मकान का पट्टा जारी करने के लिए प्रीमियम राशि 75 प्रतिशत घटा दी है। अब केवल प्रीमियम अमाउंट, वन टाइम लीज रेंट और 500 रुपए मैप अप्रूवल चार्ज लेकर फ्री होल्ड पट्टा दिया जाएगा। प्रदेश में वर्तमान में भू-राजस्व अधिनियम की धारा 90-ए के तहत एग्रीकल्चर लैंड से नॉन एग्रीकल्चर यूज के लिए परमिशन और अलॉटमेंट नियम-2021 में 32 तरह की प्रीमियम रेट तय हैं। इनमें 300 वर्गमीटर तक के प्लॉट के पट्टे प्रीमियम की रेट 90 रुपए से लेकर 384 रुपए प्रति वर्ग मीटर तक थे। इस कारण एग्रीकल्चर लैंड पर बसी कॉलोनियों के पट्टे लेने में लोगों को परेशानी आ रही थी, क्योंकि उनके लिए ज्यादा रुपए देने पड़ रहे थे। इन लोगों को आसानी से पट्टे मिल जाए, इसके लिए अलग-अलग रेट को एक जैसा बनाने और सरल करने के निर्देश दिए गए। यूडीएच डिपार्टमेंट ने सभी शहरी निकायों की कैटेगरी नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम के आधार पर 3 तरह की प्रीमियम रेट तय करने का प्रस्ताव दिया।

**सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं को 100 फीसदी छूट:** सरकार ने प्रदेश के शहरी इलाकों में जन उपयोगी सुविधाओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक और धार्मिक कामों में आगे रहने वाली और रजिस्टर्ड चैरिटेबल संस्थाओं को 100 प्रतिशत की छूट दी है। यानि इनमें लैंड यूज कन्वर्जन से लेकर कंस्ट्रक्शन परमिशन तक किसी भी तरह का चार्ज नहीं लगेगा। पब्लिक यूटिलिटी की फैसिलिटीज जैसे कि मेडिकल और एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स, होस्टल्स, वृद्धाश्रम, अनाथालय, नारी निकेतन, कुष्ठ आश्रम, धर्मशाला, दिव्यांगजन केन्द्र, नशा मुक्ति केन्द्र, कन्या आश्रम, बाल गृह आदि इस दायरे में आएंगे।

**छूट के बाद नए रेट:** प्रस्ताव में 300 वर्गमीटर तक रेजिडेंशियल एग्रीकल्चर लैंड से नॉन एग्रीकल्चर यूज के लिए के लिए प्रीमियम का रेट नगरपालिका क्षेत्र में 50 रुपए प्रति वर्गमीटर, नगर परिषद क्षेत्र में 75 रुपए प्रति वर्गमीटर और नगर निगम क्षेत्र में 100 रुपए प्रति वर्गमीटर तय हैं। यह छूट उन्हीं कॉलोनियों पर लागू होंगी, जिनके ले-आउट प्लान का अप्रूवल 31 मार्च, 2019 तक हो चुका है।

hillviewsamachar@gmail.com

# हिलव्यू समाचार

02

जयपुर, मंगलवार, 02 नवम्बर, 2021

## संपादकीय

# मुस्लिम मतदाताओं को लेकर टूटते भ्रम, राजनीति में भागीदारी की आवाज़ भी उठने लगी

**एक** ऐसे समय जब सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में शीघ्र ही विधानसभा चुनाव होने हैं, तब लोगों के मानस में आ रहे बदलाव को भांपना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखकर हमने समुदायों पर केंद्रित अध्ययन के माध्यम से जनता की राजनीतिक अभिवृत्तियों में आ रहे परिवर्तन को समझने का प्रयास किया। इसी में एक महत्वपूर्ण समुदाय रहा-मुस्लिम समुदाय। मुसलमानों की राजनीतिक पसंद जानने के लिए हमने उनकी संयुक्त आबादी और बहुमत वाले गांवों पर अध्ययन किया। इसमें कई विमर्श बने। तमाम मिथक टूटे। कतिपय अवधारणाएं भी पुष्ट हुईं। इससे यह भी समझ में आया कि मुस्लिम मतदाताओं को लेकर हमारा राजनीतिक विमर्श कई घिसी-पिटी धारणाओं का शिकार है।

मुसलमानों को हम प्रायः एक समरूपी समुदाय मानते हैं। 'मुस्लिम वोट' जैसे खांचों से हम उनकी व्याख्या करते हैं। जबकि मुस्लिम समुदाय की सामाजिक संरचना उसे बहुल रूपी समाज के रूप में प्रस्तुत करती है। उसमें भी जाति एवं वर्ग जैसी विविधता पाई जाती है, जैसी भारतीय समाज के अन्य समुदायों में मिलती है। अशराफ, अजलाफ एव अरजाल जैसे सामाजिक स्तरों में तो मुस्लिम समुदाय बंटा है ही, ततवा, रंगरेज, जोगी, डफाली, ललबेगी और बुनकर जैसे पेशों से बनी अनेक जातियां एवं उनके प्रतिस्पर्धी टकरावों की ध्वनि इस समूह के तानेबाने में प्रतिध्वनित होती है। जब कोई भी समूह इतने स्तरों में बंटा है, तो धार्मिक अस्मिता पर केंद्रित गहन गोलबंदी के बावजूद उसके बीच भी कायम राजनीतिक असहमति के स्वर सुनाई पड़ते हैं।

आज़ादी के तुरंत बाद जहां अशराफ मुस्लिम (उच्च

वर्गीय समूह) राजनीति में प्रभावी थे, वहीं मंडल आयोग के बाद फैली राजनीतिक चेतना के प्रभाव से इस समूह के पिछड़े एवं सीमांत समूह जैसे अंसारी-बुनकर आदि राजनीति में सक्रिय एवं प्रभावी होने लगे। अब तो मुस्लिम राजनीति में पसमांदा (उपेक्षित समूहों) की ओर में राजनीति में भागीदारी की आवाज भी उठने लगी है।

हमने पाया कि मुस्लिम बस्तियों में एक समूह ऐसा भी है, जो भाजपा की तारीफ करता है, क्योंकि उसके पास पीएम आवास योजना, मुफ्त बिजली योजना, मुफ्त रसोई गैस एवं आयुष्मान भारत योजना के लाभ पहुंचे हैं। ऐसे परिवारों में धार्मिक एवं जातीय अस्मिता की चेतना के साथ-साथ 'लाभार्थी' होने का भाव भी बनने लगा है। हालांकि, उनकी 'लाभार्थी चेतना' के निर्माण एवं उभार की प्रक्रिया अभी धीमी है। संभव है ये भाजपा की तारीफ करने के बावजूद वोट किसी और को दें, किंतु यह भी हो सकता है कि इनमें से अनेक भाजपा को वोट दें।

ये ग्रामीण मुस्लिम परिवार गरीब परिवार हैं, जो जनतांत्रिक राजनीति में लाभार्थी के रूप में धीरे-धीरे रूपांतरित होते जा रहे हैं। हालांकि, इनमें मध्यम वर्गीय एवं ओबीसी मुस्लिम मतदाताओं का एक वर्ग भी दिखा, जो या तो सपा के पक्ष में गोलबंद हो रहा है या फिर होने की तैयारी में है। इनमें एक तीसरा समूह जिसमें मूलत- मध्य आयुवर्ग एवं उम्रदराज लोग थे, वे कांग्रेस शासन को याद कर रहे थे। ऐसे में मुस्लिम वोट के एकरूपी या समरूपी होने को एक मिथक माना जाना चाहिए।

अमूमन यह कहा जाता है कि मुस्लिम लामबंद होकर मतदान करते हैं, लेकिन अब यह सही नहीं लगता। शिया और सुन्नी की राजनीतिक पसंद में विविधता को पहले ही मान्यता मिल गई है और आज नहीं तो कल मुस्लिम समाज की विविधता राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनेगी। मुस्लिमों के किसी एक दल के पक्ष में रणनीतिक रूप से मतदान की धारणा भी उचित नहीं लगती। कई जानकार मानते हैं कि इस रणनीति के मूल में भाजपा या हिंदुत्व की राजनीति करने वाले दल बनाम अन्य होते हैं। चुनावी मीमांसा में कुछ ऐसे संकेत उभरते हैं, किंतु अब यह धुरी भी खिसक रही है। यह रूपांतरण इसलिए हो रहा है, क्योंकि जनतंत्र स्वयं में अपनी एक आत्मचेतना रचता है। वह धीरे-धीरे ही सही, 'अपनी जनता' बनाता जाता है, जो किसी विशेष जाति, वर्ग या धर्म से जुड़े होने के बावजूद सत्ता एवं शासन में मिलने वाले लाभों से अपनी राजनीतिक पक्षधरता तय करता है। उसमें एक 'लाभार्थी' भाव बनने लगता है। जितना मिले, उसे तो स्वीकारता ही है तो और पाने की कामना भी करता है। कुछ मुस्लिम डफाली परिवार के लोगों ने बताया कि अगर सरकार से मुफ्त राशन न मिला होता, तो हम भूखे मर जाते। गरीबों की राजनीति अक्सर मध्यवर्ग से भिन्न होती है। उसकी लड़ाई जीवित बचे रहने यानी अस्तित्व बचाने की होती है। वह जब थोड़ी बेहतर आर्थिक स्थिति में पहुंचता है तो उसकी चेतना में जाति एवं धर्म जगह बनाने लगते हैं। सत्ता संचालित जनतंत्र इन समूहों में एक दूसरा वर्ग भी रचता है, जिसे हम प्रशासनजनित विकास की भाषा में 'एस्पिरेंट' यानी आकांक्षी समूह कहते हैं। यह समूह आगे बढ़ने की चेतना से लैस होता है, जिसमें जाति, धर्म, सुरक्षा एवं विकास की चाह सभी में एक दूसरे से आबद्ध होती है।

यदि इन परिवर्तनों को गहराई से समझा जाए, तो न केवल मुस्लिम मतदाताओं में, बल्कि अस्मिताओं पर आधारित किसी भी मतदाता वर्ग में हो रहे ऐसे रूपांतरण का अहसास किया जा सकता है। यदि इन वर्गों की थाह ली जाए, तो उनमें जाति एवं धर्म आधारित आवाज ही नहीं, बल्कि और कई आवाजें सुनाई देंगी। उनमें एक आवाज भारतीय जनतंत्र द्वारा चरणबद्ध रूप से किए जा रहे विकास के लाभों की भी है, जिन्हें हमें अपनी व्याख्याओं में सुनना होगा। यह आवाज जनतंत्र द्वारा रची जा रही आत्मचेतना की है, जो मुस्लिम मतदाताओं के बारे में बने-बनाए अनेक मिथकों को तोड़ती जा रही है। ऐसी परिवर्तित आत्मचेतना पर राजनीतिक विश्लेषकों को दृष्टि डालनी होगी। साथ ही उनकी गोलबंदी की राजनीति कर रहे राजनीतिक दलों को भी इसे समझना होगा।

फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज ने अपने इंस्टाग्राम पर एक गजरा बेचने वाली की इमोशनल स्टोरी शेयर की है. उन्होंने लिखा है कि इस पर फिल्म बननी चाहिए. उन्होंने गजरे वाली के सारे गजरे भी खरीद लिए. प्रियंका चोपड़ा ने विशाल के पोस्ट पर कमेंट किया है. उनके इस पोस्ट को कई लोग पसंद कर रहे हैं.

### गजरे वाली पर फिदा फिल्ममेकर, प्रियंका बोली 'वाह'

# कितना प्यारा है 'झूठ'

विशाल ने तस्वीर शेयर करके लिखा है, एक शॉट का इंतजार करते वक्त गजरा बेचने वाली से मिला. उनकी जिंदगी की दिलचस्प कहानी पर फिल्म बननी चाहिए. वह साहिबाबाद से आकर रात में सीपी दिल्ली में गजरा बेचती हैं. वह अपने परिवार की अकेली कमाने वाली हैं और अपनी बेटी और बेटे का सहारा भी. बच्चे कॉलेज में पढ़ रहे हैं. कहानी में ट्विस्ट ये है कि उनके घरवाले सोचते हैं वह दिल्ली के एक जाने-माने अस्पताल में नाइट गार्ड की नौकरी करती हैं. झूठ बोलने की वजह यह है कि वह अपने बच्चों को अपना सच नहीं बताना चाहतीं वरना बच्चे पढ़ाई छोड़कर उनको ये जॉब नहीं करने देंगे. कभी-कभी झूठ प्यारे होते हैं और झूठ बोलने वाले खूबसूरत. उनके पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने 'वाह' लिखा है. विशाल और प्रियंका 'सात खून माफ' में साथ काम कर चुके हैं. उनकी पत्नी रेखा ने भी हार्ट और हाथ जोड़ने वाला इमोजी बनाया है.

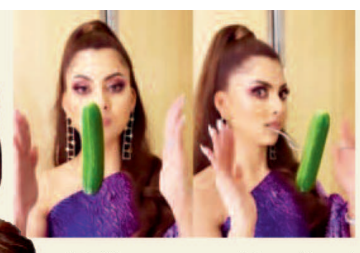

### उर्वशी ने दिखाई जादूगरी

# खीरे को हवा में उड़ाया

उर्वशी रौतेला जादूगर बन गई हैं. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसे कुछ ही घंटों में 6 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. वीडियो में एक्ट्रेस जादू के ट्रिक आजमाती नजर आ रही हैं. वह इस वीडियो में अपने दोनों हाथों के बीच एक खीरे को हवा में उड़ाती नजर आ रही हैं. वीडियो के अंत में एक्ट्रेस ने अपने मुंह में एक खाने वाले कांट के जरिए खीरे को हवा में टिकाया हुआ था. लेकिन उन्होंने कैमरे के एंगल में कलाकारी करके उसे छिपा लिया था. लोग मजेदार कमेंट करके उनकी तारीफ कर रहे हैं. तो वहीं कुछ सिर्फ लाफ्टर इमोजी बना रहे हैं.

# शादी नहीं कर रही कैटरीना

विकी कौशल संग शादी की प्लानिंग की खबरों को कैटरीना कैफ ने बताया बकवास, कहा- पिछले 15 वर्षों से हो रही है

उन्होंने उन अफवाहों को खारिज कर दिया है, जिसमें ये कहा जा रहा है कि वह नवंबर-दिसंबर में एक्टर विक्की के संग शादी के बंधन में बंध जाएंगी. उन्होंने कहा कि ये जो कुछ शादी को लेकर कहा जा रहा है वह बिल्कुल सही नहीं है. वह शादी नहीं कर रही हैं. कैटरीना ने कहा है कि उन्हें खुद नहीं पता है कि उनके बारे में ये अफवाहें कौन फैला रहा है या क्यों फैल रही हैं. वह कहती हैं- जब मेरे बारे में ऐसी खबरें आती हैं तो लोग मुझसे पूछते हैं कि ये सही है या गलत? इस बार भी ऐसा ही है. पिछले 15 वर्षों से मेरे दिमाग में भी यही सवाल है कि क्या मैं शादी करने वाली हूं.

### गाड़ी ने खींचा ध्यान

हाल ही में विक्की और कैटरीना से ज्यादा उनकी गाड़ी की नंबर प्लेट ने सबका ध्यान खींचा. दोनों की गाड़ियों की नंबर प्लेट पर लिखे आंकड़े देखकर लोग चौंक गए. कैटरीना की गाड़ी का नंबर जहां 8822 था वहीं विक्की की गाड़ी का नंबर 7722 था. दोनों की गाड़िया भी रेंज रोवर थी. फर्क बस रंगों का था, जहां कैटरीना की गाड़ी सफेद रंग की थी तो वहीं विक्की की गाड़ी ब्लैक कलर की थी.

# काल कोठरियों में सच्चा इतिहास

कंगना रनौत हाल ही में अंडमान द्वीप पर स्थित काला पानी जेल में पहुंचीं. यहां पर उन्होंने वीर सावरकर सेल का दौरा किया. उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह वीर सावरकर की सेल के भीतर बैठकर उस तकलीफ को महसूस करने की कोशिश करती दिख रही हैं जिसे किसी वक्त पर सावरकर ने झेला होगा. उन्होंने लिखा कि सच्चा इतिहास इन कोठरियों में ही है. जो किताबों में जो पढ़ाया जाता है, वो नहीं. जिस जेल में सावरकर को रखा गया था, उसके बाहर एक पट्टी लगी है, जिस पर लिखा गया है कि विनायक दामोदर सावरकर इस कोठरी में 1911 से 1921 तक रहे. कंगना ने यहां की कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह जेल में बैठी और उसके आसपास के इलाके मुआयना करती देखी जा सकती हैं.

सेलिना जेटली की एक तस्वीर सामने आई है, जो सभी को हैरान कर रही है. उनकी इस तस्वीर में उनका ट्रांसफॉर्मेशन साफ नजर आ रहा है. उनकी तस्वीर देखने के बाद फैंस कह रहे हैं कि उनको पहचान पाना मुश्किल है. इंस्टाग्राम पर उनकी लेटेस्ट फोटो में वह सेल्फी लेती दिख रही हैं. लह रेड कलर की लिपस्टिक और लाइट मेकअप में नजर आ रही हैं. उनकी सादगी फैंस का दिल जीत रही है. सेलिना ने लिखा, 'ऑटम में वह वॉक जब सभी पत्तियां फूल बन जाती हैं.' इस तस्वीर के बैकग्राउंड में उनके पति अपने तीनों बच्चों के साथ सड़क पर वॉक करते दिख रहे हैं.

# कविता से बॉस को इम्प्रेस करते हैं तारक

शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में तारक मेहता अपनी कविता से उनके बॉस को इम्प्रेस करते हैं. तारक अपनी रचनात्मक पंक्तियों से बॉस को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं. कहानी में बॉस तारक को कागज पर कुछ लिखते हुए देख लेत हैं. उन्हें संदेह होता है कि काम बढ़ रहा है और तारक उसी परेशानी से इस्तीफा लिख रहे हैं. वह तारक से अपने दिल की बात कविता के रूप में सुनाने की मांग करते है.

बॉस को लगता है कि कविता दिल से निकले हुए सच्चे शब्द होते हैं जिससे वह उनकी परेशानी अच्छी तरह समझ सकते हैं. यह शो सब टीवी पर प्रसारित होता है.

# घमंडी किरण

शो 'भाग्य लक्ष्मी' में किरण का किरदार निभानेवाली करुणा वर्मा ने कहा कि किरण बहुत घमंडी है लेकिन उनका अपना एक आकर्षण है. वो एक ऐसी मां है जो अपनी बेटी को बहुत प्यार करती है और उसके लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं. उन्होंने कहा कि मैं मलिष्का की मां के रोल में हूं और वो चाहती है कि उसकी बेटी अपनी जिंदगी में खुश रहें. वो एक सिंगल पैरेंट हैं और इरादों की पक्की हैं. यह शो जी टीवी पर प्रसारित होता है.

# 'तूफान' के बाद 'धमाका' करेगी मृणाल

हाल ही में रिलीज फिल्म 'तूफान' में एक महाराष्ट्रियन लड़की का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने कहा कि मेरी आगामी फिल्म 'धमाका' है जिसे हमने मात्र 11 दिनों में शूट किया था जो एक थ्रिलर है. इसके साथ ही फिल्म 'जर्सी' भी जल्द रिलीज होगी है. उन्होंने कहा कि 'लव सोनिया' मेरे लिए लकी चार्म रहा. इसके बाद मुझे सुपर 30 और बाटला हाउस जैसी फिल्म्स के ऑफर मिले. मृणाल ने कहा कि 'तूफान' में मुझे एक महाराष्ट्रियन लड़की अनन्या का किरदार निभाने का मौका मिला है जो अपने आसपास के लोगों को हमेशा ही आकर्षित करती है और उन्हें कुछ अच्छा करने के लिए प्रेरित करती है. यह फिल्म इस बात पर आधारित है कि हमें कभी हार नहीं मानना चाहिए. इस फिल्म का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर जी सिनेमा पर प्रसारित होगा. उन्होंने कहा कि मैं भविष्य में बायोपिक करना चाहती हूँ और कुछ अलग करने की चाह भी है.

# जॉन संग दिखेगी सशक्त महिला

अब दिव्या खोसला कुमार संग फिल्म 'सत्यमेव जयते 2' में जॉन अब्राहम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते नजर आएंगे. फिल्म में दिव्या सशक्त महिला की भूमिका निभा रही हैं जो न्याय प्रिय और बहुत ही निपुण है. वह एक प्रबल महिला है और हमेशा सच्चाई के साथ खड़ी रहती हैं. यह एक्शन से भरपूर फिल्म है. 'सत्यमेव जयते 2' में एक्शन, ड्रामा और डायलॉगबाजी है.

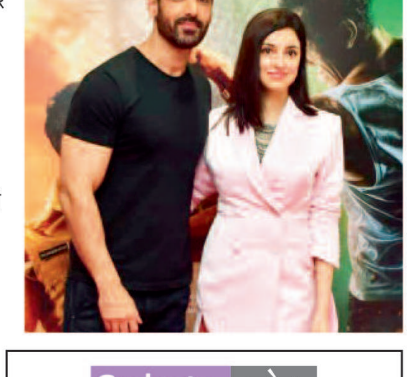

मैजिक TV

# टीवी कलाकारों का 'असली धन'

धनतेरस पर सोना और चांदी खरीदने से घर में समृद्धि आती है और टीवी कलाकारों ने इस मौके पर अपनी सबसे अनमोल वस्तुओं के बारे में बताया. एक्टर अंबरीश बॉबी अपनी बेटियों को 'असली धन' मानते हैं. उन्होंने कहा कि बेटियां असली धन होती हैं, लोग कहते हैं कि 'बेटियां पराया धन होती हैं. लेकिन मैं यह नहीं मानता. वहीं अभिनेत्री श्रेणु पारिख ने कहा कि मौजूदा दौर की जिंदगी में शांति ही 'असली धन' है. परिवार के बाद मानसिक स्वास्थ्य ही मेरा असली धन हैं. एक्टर योगेश त्रिपाठी ने बताया कि मेरे अंदर का कलाकार ही मेरा 'असली धन' है. मेरी अदाकारी भगवान की ओर से मुझे दी गई असली संपति है. वहीं एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने कहा कि इच्छाशक्ति, दृढ़निश्चय और मेरे अंदर का बच्चा मेरे 'असली धन' हैं. मैं हमेशा ही इन तीन चीजों को जीवंत बनाये रखने की कोशिश करती हूं क्योंकि यही वो चीजें हैं, जो मुझे जिंदगी में आगे बढ़ने में मदद करते हैं.

# NFL ने निकाली नॉन एग्जीक्यूटिव पदों पर भर्तियां

नियुक्ति वार्ता

नेशनल फर्टलाइजर्स लिमिटेड (**NFL**) ने नॉन एग्जीक्यूटिव पदों पर भर्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं. कुल रिक्तियों की संख्या 183 है. इस भर्ती के तहत वर्कर, असिस्टेंट जूनियर इंजीनियर, अटेंडेंट, मार्केटिंग रिप्रेजेंटेटिव और लोको अटेंडेंट के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. कुछ पदों के लिए 10वीं व आईटीआई पास अभ्यर्थी तो कुछ पदों के लिए डिप्लोमा या बीएससी पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. योग्य व इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट **nationalfertilizers.com** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि - 10-11-2021 है.

### आईआईटी

आईआईटी कानपुर ने डिप्टी रजिस्ट्रार, जूनियर टेक्निशियन समेत कई पदों पर आवेदन मांगे हैं. B.Tech, M.Sc, MA, M.Lib, 12वीं वाले योग्य उम्मीदवार iitk.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. 95 पदों पर भर्ती पर आवेदन मांगे हैं, आवेदन करने की आखिरी तारीख 16 नवंबर है.

### बीईएल

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने अप्रेंटिस के 73 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं. इच्छुक व योग्य उम्मीदवार बॉर्ड ऑफ अप्रेंटिस ट्रेनिंग की आधिकारिक वेबसाइट boat-srp.com पर जाकर इसके लिए आवेदन कर सकते हैं. रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 25 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है. आवेदन की अंतिम तिथि 10 नवंबर 2021 है. ऑनलाइन आवेदन में दी गई योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा.

Gadgets जोन

### शुगर टेस्ट करेगी स्मार्टवॉच

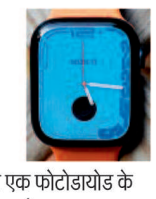

एप्पल जल्द वॉच सीरीज़ 8 को लांच करेगी. इस वॉच के लिए एक इन्फ्रारेड सेंसर पर काम किया जा रहा है जो ब्लड-शुगर लेवल को पढ़ने में सक्षम होगा. सेंसर 1,000 एनएम से ऊपर वेवलेंथ का उपयोग करता है और एक फोटोडायोड के साथ काम करता है जो ब्लड-शुगर लेवल का पता लगा सकता है. यह उपयोगकर्ता की नाड़ी और ब्लड-ऑक्सीजन का विश्लेषण करने का प्रबंधन भी कर सकता है. ब्लड-शुगर को आमतौर पर एक उंगली में सुई चुभकर खून निकाल कर मापा जाता है और इसीलिए अगर एप्पल वॉच इसे सेंसर के माध्यम से माप सकता है, तो यह एक गेम-चेंजिंग फीचर हो सकता है. यह सेंसर मधुमेह और अन्य संबंधित चिकित्सा समस्याओं वाले लोगों के लिए वास्तव में मददगार हो सकता है. विशेष रूप से, आईओएस 15 में हेल्थ ऐप में ब्लड ग्लूकोज का एक विकल्प भी जोड़ा गया है लेकिन यह वैल्यू अब मैन्युअल रूप से जोड़ी जानी है.

डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 19 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 6 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

# हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

जयपुर, मंगलवार, 02 नवम्बर, 2021

RAJHIN16831/20/01/2013-TC

hillviewsamachar@gmail.com

# भावों के अभाव में रूठ जाती है माँ लक्ष्मी

माँ लक्ष्मी को धन की देवी कहा गया है। इन्हीं की कृपा से जीवन में धन-वैभव व ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है, इसलिए हर व्यक्ति चाहता है कि उसके और पूरे परिवार के ऊपर माँ लक्ष्मी की कृपा बनी रहे व माँ लक्ष्मी उनके घर में वास करें। जिस घर परिवार में आपसी प्रेम व संवाद बना रहता है और दीन हीन के प्रति दया भाव होता है, लक्ष्मी वहां स्वतः निवास करती है। किन्तु फिर भी मानव जीवन में मानवीय त्रुटियां स्वाभाविक हैं। ऐसे में कुछ ऐसी आदतें या कार्य हैं जिन्हें करने से माँ लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं जिससे घर में रुपये-पैसों की कमी बनी रहती है। तो चलिए जानते हैं कि कौन से हैं वे कार्य जिनसे रुष्ट होती हैं माँ लक्ष्मी।

## दाम्पत्य जीवन में मनमुटाव

जिस घर में पति-पत्नी के बीच सदैव झगड़ा होता रहता है और हमेशा अशांति का वातावरण बना रहता है वहां पर मां लक्ष्मी वास नहीं करती हैं। इसलिए घर में हमेशा शांति का वातावरण बनाकर रखना चाहिए। पति-पत्नी दोनों को ही अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए व एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।

## दीन हीन के प्रति दया का अभाव

द्वार पर आए व्यक्ति को कभी खाली हाथ नहीं लौटाया जाना चाहिए। जो लोग अपने से दुर्बल लोगों या भिक्षुक का अपमान करते हैं, उनसे मां लक्ष्मी रूष्ट होती हैं। ऐसे लोगों के घरों में दरिद्रता का वास होने लगता है, तो वहीं जो लोग गरीबों, निसहायों की मदद करते हैं, दान-पुण्य के कार्य करते हैं उनके ऊपर सदैव मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

## सुबह देर तक सोना

आज के समय में रात को देर तक जागना और सुबह को देर तक सोना आम बात हो गया है। सनातन धर्म में जागने के लिए ब्रह्म मुहूर्त उत्तम बताया गया है। जिन घरों में लोग देर तक सोते रहते हैं और ईश्वर का स्मरण नहीं किया जाता है वहां पर मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है।

# धन संकट दूर करने के लिए करें ये उपाय

कार्तिक मास की अमावस्या को दिवाली अमावस्या कहते हैं। कहते हैं कि इस दिन रात सबसे घनी होती है। मतलब यह कि यह अमावस्या अन्य अमावस्याओं की अपेक्षा अधिक घनेरी होती है। इसीलिए इस अमावस्या के समय दीपोत्सव मनाया जाता है।

## धन प्राप्ति के अचूक उपाय

1. मूल रूप से यह अमावस्या माता कालीका से जुड़ी हुई है इसीलिए उनकी पूजा का भी महत्व है। इस दिन लक्ष्मी पूजा का महत्व भी है। कहते हैं कि दोनों ही देवियों का इसी दिन जन्म हुआ था।
2. दीपावली पर महालक्ष्मी के पूजन में सात मुखी दीप जलाएं और माता से समक्ष पीली कौड़ियां रखें। इससे लक्ष्मी माता प्रसन्न होंगी और धन के मार्ग खुलेंगे।
3. शाम के समय घर के ईशान कोण में गाय के घी का दीपक लगाएं। बत्ती में रूई के स्थान पर लाल रंग के धागे का उपयोग करें। साथ ही दीये में थोड़ी-सी केसर भी डाल दें। यह मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का अचूक उपाय है।
4. अमावस्या वाली रात्रि को 5 लाल फूल और 5 जलते हुए दीये बहती नदी के पानी में छोड़ें। इस उपाय से धन का लाभ प्राप्त होने के प्रबल योग बनेंगे।
5. दिवाली की रात पीपल के पत्ते पर दीप जलाकर जल में प्रवाहित करें।
6. धनलाभ और वैभव के लिए दिवाली की शाम को किसी बरगद के पेड़ की जटा में एक गांठ लगाएं।
7. गन्ने की जड़ को लाल वस्त्र में लपेटकर सिंदूर और लाल चंदन लगाकर तिजोरी या धन रखने के स्थान में रख दें।
8. लक्ष्मी पूजन के समय गोमती चक्र को पूजा की थाली में रखकर मां की पूजा करें।
9. दिवाली में किसी भी मंदिर में झाड़ू का दान करें।
10. काली हल्दी को लाल कपड़े में बांधकर देवी लक्ष्मी को अर्पित करें और फिर उसको तिजोरी में रख दें। इसी तरह स्फटिक का श्रीयंत्र लाल कपड़े में लपेटकर अपनी तिजोरी में रख दें।

# नरक चतुर्दशी (रूप चौदस) कैसे मनाएं

कार्तिक मास की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी और रूप चौदस कहते हैं। इस दिन श्रीकृष्ण ने भौमासुर अर्थात नरकासुर का वध किया था और उसकी कैद से लगभग 16 हजार महिलाओं को मुक्त कराया था। इसी खुशी के कारण दीप जलाकर उत्सव मनाया जाता है।

## नरक चतुर्दशी पर क्या करें...

1. नरक चौदस के दिन प्रातःकाल में सूर्योदय से पूर्व उबटन लगाकर नीम, चिचड़ी जैसे कडुवे पत्ते डाले गए जल से स्नान का अत्यधिक महत्व है।
2. इस दिन सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने घरों के दरवाजों पर 14 दीये जलाकर दक्षिण दिशा में उनका मुख करके रखते हैं तथा पूजा-पाठ करते हैं।
3. इस दिन यमराज के लिए तेल का दीया घर के मुख्य द्वार से बाहर की ओर लगाएं।
4. इस दिन शाम के समय सभी देवताओं की पूजन के बाद तेल के दीपक जलाकर घर की चौखट के दोनों ओर और घर के बाहर रख दें। ऐसा करने से लक्ष्मीजी का घर में निवास हो जाता है।
5. इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से सौंदर्य की प्राप्ति होती है।
6. इस दिन निशीथ काल (अर्धरात्रि का समय) में घर से बेकार के सामान फैंक देना चाहिए। इससे दरिद्रता का नाश हो जाता है।
7. इस दिन सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने घरों के दरवाजों पर 14 दीये जलाकर दक्षिण दिशा में उनका मुख करके रखते हैं तथा पूजा-पाठ करते हैं।

## नरक चतुर्दशी की पूजा विधि

1. इस दिन 6 देवों की पूजा होती है। यमराज, श्रीकृष्ण, काली माता, शिव, हनुमान और वामन
2. घर के ईशान कोण में ही पूजा करें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए। पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है।
3. इस दिन उपरोक्त 6 देवों की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
4. इसके बाद सभी के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके के मस्तक पर हल्दी कुंकु चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
5. पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
6. अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
7. मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।

# दीप दिवाली के...

दीप दिवाली के
हर ओर जगमगा रहे
दिवाली के ये सतरंगी दीप
हर ओर फैला रहे
प्रकाश ही प्रकाश ये दीप
लेकिन क्या
इन सैकड़ों दीपों में से
एक भी दीप ऐसा है
जो लोगों के
अंतस की
अमावस निशा का
हरण करेगा
हर दीप जल रहा
मजबूरी की आग में
आंसुओं से भीगी लौ में
दिखा रहा
दिखावे का प्रकाश
झिलमिलाती इठलाती झालरें
वातावरण का स्याहपन तो
हर लेंगी
लेकिन क्या इनसे
हमारे दिलों का
कालापन हटेगा
कोई तो बताओ.. कोई तो बताओ
इन सैकड़ों दीपों में से
क्या कोई
एक भी दीप
ऐसा है जो
हरेगा भ्रष्टाचार को
बेईमानी के कालेपन को..
लौ ने लाल रंग पाया है
किसानों के खून से
पीला रंग चुराया है
मजदूरों के टपकते
पसीने से
नारंगी रंग दे रहा दुहाई
बेरोज़गार युवाओं की
खामोश लड़ाई की
पटाखों की आवाज दब रही
मीडिया की चिल्लम चिल्ली में
अणु बम परमाणु बम
बना बनाकर
विश्व के सारे देश
दिवाली ही तो मना रहे
ऑनलाइन कारोबार
का जाल फैला कर
व्यापारिक मान्यवर
राजसी फुलझड़ियां जला रहे
सांप और टिकुली से
फुटकरिया दुकानदारों को
डरा रहे
धमकी दे देकर भीडतंत्र
जनता को
कलम और बंदूक में बांट रहे
धर्म जाति के नाम पर
लड़वाकर नेता ही तो
चरखी अनार चला रहे
कभी इसका कभी उसका
मुखौटा लगाकर
विद्रोह की चिंगारी फैलाकर
मलाई पकवान खाकर
वे ही असली दिवाली
मना रहे

ज्योत्सना सक्सेना

# मिट्टी के दीये जलाना...

मिट्टी के दीये जलाना
इस बार तुम दिवाली में।
बने जो दीये मिट्टी से
वैज्ञानिकता छुपी हुई है
इन दियों से तीज-त्यौहार में।
यही दीये बिके देश की
आवाम के हित में।
दीयें मिट्टी के जलकर
बरसाती कीटाणुओं का
करती नाश।
चाइनीज झालरें पट्टी आकर्षित
करती कीट पतंगे लाती साथ।
मिट्टी के दीये ही जलाना
साथियों दिवाली पर इस बार।
कार्तिक की अमावस वाली
रात न किसी की काली हो
दीयें बनाने वालों के घरों में
भी त्यौहार की खुशियों की
दिवाली रोशन हो।
मिट्टी के दीये ही जलाना
अब की बार दिवाली में।
राष्ट्र का पैसा काम आऐं
देश के ही उत्थान में।
मिट्टी के ही दीये जलाना
अबकी बार साथियों
दिवाली में।

उमेश नागा, जयपुर
लेखिका व कवियित्री

प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली का त्यैहार मनाया जाता है। पूरे देश में इसको लेकर पहले से तैयारियां शुरु हो जाती हैं। दिवाली से पहले लोग अपने घरों की अच्छे से सफाई करते हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि घर की सफाई के बाद भी कुछ चीजें ऐसी रह जाती हैं जिनके होने से हमारे जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। घर में कुछ अशुभ चीजों के रहने से मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है और हमेशा धन की कमी बनी रहती है। आइए जानते हैं कि वो कौन सी चीजें हैं जिन्हें कि घर में नहीं रखना चाहिए....

# शुभ-अशुभ

स्मिता माथुर, जयपुर

**टूटी फूटी चीजें या कांच अशुभ होते हैं:** कांच की टूटी हुई चीजों से घर में निगेटिव एनर्जी आती है। ऐसे में अगर आपके घर में भी कहीं खिड़की, बल्ब या फेस मिरर का कांच टूटा हुआ या चटका भी हो तो उसे इस बार दिवाली की सफाई में बदलवा दें।

**रूकी हुई या बंद घड़ी भी घर की तरक्की रोकती है:** दीवार पर टांगने वाली घड़ी हो या कलाई में पहनने वाली, इसका बंद होना अशुभ माना जाता है। घड़ी को सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि घड़ी के बंद होने से किस्मत भी बंद हो जाती है। अगर आपके घर में भी बंद घड़ी पड़ी हुई है तो उसे दिवाली से पहले बाहर फैंक दें।

## खंडित मूर्ति या तस्वीर नकारात्मकता फैलाती है

घर में कभी भी देवी देवताओं की टूटी मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसी मूर्तियां घर में दुर्भाग्य लाती हैं। ऐसे में अगर आपके घर में भी टूटी या पूरानी मूर्तियां हैं तो इस दिवाली सफाई करने के साथ ही भगवान की नई मूर्ति घर के मंदिर में स्थापित करें और पुरानी मूर्ति को कहीं विसर्जित कर दें।

## पुराने जूते-चप्पल एवं पुराने फटे कपड़े, बर्तन घर से हटा दें

अगर आपने घर में फटे-पुराने जूते चप्पल, बर्तन कपड़े को अभी तक रखा है तो दिवाली की सफाई करते समय उन्हें बाहर निकाल दें। कहा जाता है कि फटे जूते और बर्तन, चप्पल, कपड़े घर में नकारात्मकता और दुर्भाग्य लाते हैं। ऐसा माना जाता है कि रसोई में कभी भी टूटे हुए बर्तन नहीं रखने चाहिए और न ही किसी को टूटे बर्तन में खाना परोसना चाहिए। टूटे बर्तनों को घर में रखना अशुभ माना जाता है। ऐसे बर्तनों में खाना खाने से घर में दरिद्रता बढ़ती है। तो इस दिवाली सफाई के दौरान अपने घर से टूटे या चटके हुए बर्तनों को बाहर निकाल दें।

# घर-घर दीप जलाओ

घर-घर दीप जलाओ
विजय-पर्व को धूमधाम से-
मिलकर सभी मनाओ।
घर-घर दीप जलाओ ।।
राम हुए विजयी लंका पर,
रावण को भी मार दिया।
लगता था उस रावण ने ही
आतंक बन कर जन्म लिया।।
बने निशाचर आतंकवादी,
विश्व-शांति के रक्षक हम।
मानवता के भक्षक जो भी,
उनके बन जायेंगे यम ।।
आतंक रूपी इस रावण पर,
अग्नि-बाण बरसाओ।
घर-घर दीप जलाओ,
घर-घर दीप जलाओ।।

कृष्णकुमार पारीक

ज्योतिपर्व दीपावली में सांस्कृतिक चेतना और समरसता के साथ 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का संदेश निहित होता है। हालांकि कोरोना संक्रमण ने संपूर्ण मानव समाज को बीते कई माह से चिंताकुल कर रखा है लेकिन हम न भूलें कि जीवन की हर विपदा से आत्मविश्वास और उत्साह के साथ जूझने के संकल्प का भी पर्व है दिवाली। आइए, इस दिवाली हम सब, अपने मन-जीवन से निराशा के अंधकार को मिटाकर आशा-खुशियों का दीप प्रज्वलित करें।

## मन-जीवन में जगमगाए उमंग-उल्लास की दीपावली

सजगता

सरस्वती रमेश

पर्व-त्योहार, आनंद की अनुभूति और उसकी अभिव्यक्ति के उत्सव हैं। इन उत्सवों का गहरा संबंध ऋतुओं से भी होता है। इनमें भी शरद ऋतु को उत्सवों की ऋतु कहा जाता है। इन उत्सवों में दीपावली का स्थान सर्वोपरि है। प्रकृति के सौंदर्य के बीच ज्योति का यह पर्व हमारे तन-मन को नई चेतना से स्पंदित कर देता है।

### प्राकृतिक सौंदर्य का उत्सव

अपने देश में मनाए जाने वाले अधिकांश पर्व, ऋतु परिवर्तन, नई फसल के तैयार होने, बुवाई या कटाई के समय मनाए जाते हैं। शरद ऋतु में धान की बालियां पक कर सुनहरी हो जाती हैं, उपवन फूलों से महमहा उठते हैं, ठंडी बयारें शरीर में सिहरन पैदा करती हैं, हर ओर से उल्लासित करने वाली तरंगें उठती हैं। यही तरंगें हमारे भीतर भी उठकर हमें आनंद का भान कराती हैं। ऐसे मनोहारी संयोग में ही हम सब प्रकाश पर्व दिवाली मनाते हैं। सच, प्रकृति के सौंदर्य से जुड़कर हम भी अपने भीतर उपस्थित प्रकृति तत्व के साथ एकाकार होते हैं।

### खुशहाली का पर्व

दिवाली का नाम आते ही मन में दीपों की कतार का, आम की पत्तियों के बंदनवार का और सजे-संवरे घर-द्वार का मनोरम दृश्य आंखों के सामने घूमने लगता है। ऐसा लगता है, जीवन के सारे संतापों को परास्त कर उल्लास का उजाला फैल रहा है। दरअसल, दिवाली खुशहाली और समृद्धि का पर्व है। वही खुशहाली, जो हमारे जीवन के सौंदर्य से उत्पन्न होती है। वही सौंदर्य जो हमें सामाजिक होकर जीने से मिलता है, एक-दूसरे से जुड़ने से मिलता है, अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने से मिलता है। इसलिए हम दिवाली पर धन-वैभव की कामना के साथ अपने भीतर मानवीय भावनाओं की समृद्धि की कामना भी करते हैं।

### सांस्कृतिक एकता का प्रतीक

दिवाली विविधता में एकता का अहसास कराने वाला पर्व भी है। यह उत्तर को दक्षिण से और पूरब को पश्चिम से जोड़ने की एक कड़ी है। भले ही दिवाली का नाम कुछ अलग हो लेकिन पूरे देश में यह पर्व अलग रूप या तरीके से मनाया जाता है। लगभग सभी धर्मों के लोग इस पर्व को मनाते हैं। उनके मत, विचार और विश्वास अलग हो सकते हैं, लेकिन उल्लास का भाव एक ही होता है। वास्तव में दिवाली हमारी उत्सवधर्मी संस्कृति की वाहक है, जिसने हमारे पूरे समाज को एक सूत्र में पिरो रखा है। भाषा, वेश और समुदाय के रूप में भले ही हम अलग हों, लेकिन जब दिवाली जैसे सार्वभौमिक पर्व को मनाने की बात आती है तो दिल्ली, रायपुर, गुरुग्राम, भोपाल हों या चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, सभी जगह लोग बढ़-चढ़कर इसे मनाने के लिए लालायित दिखते हैं। सिर्फ अपने देश में ही नहीं अमेरिका, कनाडा से लेकर ट्रेफेलगर स्क्वायर (लंदन) तक दीप जगमगाने लगते हैं।

### समय के साथ बदलता स्वरूप

हाल के दशक में दुनिया तेजी से बदली है। पर्व-त्योहारों का स्वरूप भी बदला है। ग्लोबलाइजेशन के दौर में हमारे घर-द्वार, पर्व-त्योहार और परंपराओं पर बाजार हावी हुआ है। त्योहार खुशहाली और जुड़ाव के बजाय वैभव का प्रदर्शन बनता जा रहा है। दिवाली में देवी लक्ष्मी की पूजा हम सुख-समृद्धि की कामना से कम और धन-वैभव की कामना से अधिक करने लगे हैं। दूसरों पर अपनी भावनाओं को खर्च करने के बजाय लोग रुपए खर्च करने में विश्वास करने लगे हैं।

मोबाइल और सोशल मीडिया ने तो त्योहारों की जैसे अवधारणा ही बदल दी है। हमारे इर्द-गिर्द एक आभासी दुनिया बस चुकी है। हमारा उल्लास आभासी बनता जा रहा है। इसीलिए आपस में जुड़ने की बजाय बने-बनाए आकर्षक मोबाइल संदेशों को भेजकर खानापूर्ति कर लेते हैं। वास्तव में तकनीक ने हमारी भावनात्मक चेतना को कुंद कर दिया है। हमारी संवेदनशीलता में सेंध लगाई है। कहने को तो हम पूरी दुनिया से जुड़ चुके हैं लेकिन असल में हम सिमटते जा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम दिवाली में निहित संदेश को आत्मसात कर इस पर्व को मनाएं।

### दिवाली का संदेश

भारतीय जीवन दर्शन आनंदोमुखी है। वह जगत में व्याप्त दुख, विपदा और घोर निराशा में भी आनंद की खोज करने का संदेश देता है। हम सब पिछले कई माह से कोरोना का प्रकोप झेल रहे हैं। इस महामारी के कारण हमारे त्योहारों की रंगत फीकी हुई है। सारे पर्व, आयोजन, उत्सव स्थगित पड़े हैं। लेकिन हमें इस स्थिति में भी आनंद की तलाश करनी है। इसे समझदारी के साथ तलाशा जा सकता है। इस वक्त मनुष्यता की रक्षा का संकल्प हमारे लिए सबसे बड़ा और अहम है। इसलिए ध्यान रहे कि उत्साहित होकर हम कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे हमारे साथ दूसरे भी मुसीबत में पड़ जाएं। इसलिए अपनी पर्व परंपरा का निर्वाह अवश्य करें लेकिन कोरोना से जुड़ी सावधानियों का भी ख्याल रखें। संक्रमण से बचाव के लिए हम आपस में इस बार भले न मिल पाएं, एक-दूसरे को गले लगाकर दिवाली की बधाइयां भले न दे पाएं लेकिन हमारे मन जरूर मिलने चाहिए। एक-दूसरे के प्रति सच्ची संवेदनाएं जगनी चाहिए। दिवाली में अंतर्निहित संदेश भी तो यही है कि जीवन में कितना भी अंधकार क्यों न हो, प्रकाश की आस न छोड़ी जाए। *

### दिवाली से जुड़े मिथक-कथाएं

**दिवाली मनाने** से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं भी प्रचलित हैं। इनमें सबसे अधिक प्रचलित कथा श्रीराम के जीवन से जुड़ी है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या वापस लौटे थे। अपने प्रभु के वापस लौटने की खुशी को अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर व्यक्त किया था। दूसरी कथा भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी है। भगवान श्रीकृष्ण ने दिवाली से एक दिन पूर्व यानी नरक चतुर्दशी के दिन बुराई के प्रतीक नरकासुर का वध किया था। इसी दिन सिखों के गुरु अर्जुनदेव ने स्वर्ण मंदिर की स्थापना की थी। नचिकेता इसी दिन यम से जीवन-मरण का रहस्य जानकर पृथ्वी पर लौटे थे और तभी पहली बार पृथ्वी पर दिवाली भी मनाई गई थी। इसी दिन गुरु गोविंद सिंह मुगलों की कैद से रिहा हुए थे। दिवाली के दिन ही जैन धर्म के प्रवर्तक महावीर स्वामी और आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद को निर्वाण प्राप्त हुआ था। इसके अलावा विभिन्न समुदाय की अपनी-अपनी मान्यताएं और कथाएं हैं। लेकिन हर कथा किसी सुखद अनुभूति का अहसास कराती है और दिवाली उसी की अभिव्यक्ति है। *

## इस बार आतिशबाजी से नहीं सिर्फ दीपों से मनाएं दीपावली

दीपावली प्रकाश और खुशियां फैलाने का पर्व है। लेकिन बहुत से लोग इस अवसर पर बेशुमार पटाखे जलाते हैं, जो हम सभी के लिए बहुत खतरनाक है। कोरोना संक्रमित रोगियों के लिए यह और भी नुकसानदेह है। ऐसे में आवश्यक है कि हम सब इस बार अपनी परंपरा का निर्वाह करते हुए बिना पटाखे के दीपोत्सव मनाएं।

आह्वान

देवेंद्रराज सुथार

हाल ही में हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट की वायु प्रदूषण पर एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्वास्थ्य पर सबसे बड़ा खतरा वायु प्रदूषण का है। राजधानी दिल्ली में प्रतिदिन 6 हजार से अधिक लोग कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं, उनके लिए दिवाली का प्रदूषण बेहद खतरनाक है। दिल्ली ही नहीं पूरे देश में कोरोना संक्रमण अभी थमा नहीं है, उन सबके लिए प्रदूषण बहुत नुकसानदेह हो सकता है। यही वजह है कि दिल्ली ही नहीं अधिकांश शहरों में रहने वाले लोगों का एक बड़ा प्रतिशत पटाखे यानी आतिशबाजी को बैन करने का पक्षधर है। अगर हम सब इस दिशा में विचार करें और पटाखों से दूर रहने का संकल्प करें तो यह एक बड़े बदलाव की पहल हो सकती है।

**पटाखों से बढ़ता है प्रदूषण :** पर्यावरण को बचाना आज हमारी सबसे बड़ी जरूरत है। लेकिन दीपावली के त्योहार के महीने भर पहले ही बाजारों में पटाखों की दुकानें सजने लग जाती हैं। प्रतिवर्ष दीपावली पर करोड़ों रुपयों के पटाखों का व्यापार होता है। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता है। कुछ लोग इसे फिजूलखर्ची मानते हैं, तो कुछ इसे परंपरा से जोड़कर देखते हैं। जो भी हो, सच यह है कि इनकी वजह से हवा में तांबा, कैल्शियम, गंधक, एल्यूमीनियम और बेरियम मिलकर प्रदूषण फैलाते हैं। इन धातुओं के अंश कोहरे के साथ मिलकर अनेक दिनों तक हवा में बने रहते हैं। उनके हवा में मौजूद रहने के कारण प्रदूषण का स्तर कुछ समय के लिए काफी बढ़ जाता है।



**कई तरह से खतरनाक :** प्रदूषण के कारण अनेक जानलेवा बीमारियों मसलन- हृदय रोग, फेफड़े, गॉल ब्लैडर, गुर्दे, यकृत और कैंसर जैसे रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा पटाखों से मकानों में आग लगने और लोगों, खासकर बच्चों के जलने की संभावना होती है। हवा के प्रदूषण के अलावा पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है। नवजात बच्चों और गर्भवती महिलाओं को डराने के साथ यह प्रदूषण पशु-पक्षियों और जानवरों के लिए भी हानिकारक है। इसके अतिरिक्त पटाखे पृथ्वी के सुरक्षा कवच 'ओजोन परत' को भी भारी नुकसान पहुंचाते हैं। पटाखों से निकले धुएं के कारण वातावरण में दृश्यता घटती है। दृश्यता घटने से वाहन चालकों को कठिनाई होती है। कई बार यह दुर्घटना का कारण बनती है। ऐसे में सवाल उठता है क्या बिना पटाखों के दिवाली नहीं मनाई जा सकती है?

**न भूलें अपनी परंपरा :** कुछ दशक पहले तक दीपावली के अवसर पर केवल मिट्टी के दीये जलाए जाते थे। बाद में मोमबत्तियों, झालर और रंग-बिरंगी लाइटों ने इनका स्थान ले लिया। इसके साथ ही पटाखों का प्रचलन भी तेजी से बढ़ा। अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित किया जाता है। हमें पुनः अपनी प्राचीन परंपरा को समझना होगा। हमें मिट्टी के दीए जलाने की परंपरा की पुनः शुरुआत करनी होगी। इससे कीड़े-मकोड़े मरते हैं। हमारी पर्व-संस्कृति में दीपावली पर सरसों के तेल के दीए जलाना, स्वादिष्ट-पौष्टिक पकवान बनाना, मिठाइयां खाना और पड़ोसियों-अतिथियों को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना शामिल है। लेकिन अफसोस हम लोग अपनी खूबसूरत परंपरा को भुलाकर कृत्रिम रोशनी और आतिशबाजी से ही यह पर्व मनाते हैं।

**हम अपनी गौरवमयी और सुंदर परंपरा से जुड़े रहें :** हमारे धार्मिक और पौराणिक ग्रंथों में दीपक जलाने की बात कही गई है। आतिशबाजी का कहीं वर्णन नहीं है। हमारे पूर्वजों ने भी इसी का पालन किया, दीपक जलाकर, रंग-बिरंगी रोशनी के माध्यम से इस पर्व को खुशी सबके साथ साझा करने का संदेश दिया। अब आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता की चकाचौंध से बचकर खुद को अपनी गौरवमयी और सुंदर परंपरा से जोड़ें रखें और रोशनी के इस पर्व में केवल प्रसन्नता का उजाला फैलाएं। *

## तुम दीप माटी का ही जलाना...

तुम दीप माटी का ही जलाना,
माटी ही जीवन मेरा,
माटी में मिल जाना है
माटी ही जीवन आधार है
तुम दीप माटी का जलाना।

प्रेम से इसको ढाला है,
विश्वास आपका डाला है
दिवाली रोशन हो जाए मेरी भी,
तुम दीप माटी का ही जलाना।

यह दिया नहीं श्रम है मेरा,
मैं आपको सौंपता हूँ,
आशा की बाती,
तेल विश्वास का डालना,
तुम दीप माटी का जलाना।

आपके घर का उजियारा बने,
जगमग हो सारा जहॉं,
जोत से जोत बस जलती रहे,
दीया एक मेरे नाम का जलाना।

सुमित्रा माथुर ( सुमन)

बोध कथा

## पाँच दीए

उस घर में पांच दीए जल रहे थे। एक दीया बोला, 'इतना जलकर भी मेरी रोशनी की लोगों को कोई कद्र नहीं है, अच्छा यही होगा कि मैं बुझ जाऊं।' यह दीया खुद को व्यर्थ समझ कर बुझ गया। जानते हैं यह दीया कौन था? यह दीया था उत्साह। यह देख दूसरा दीया शांति बोला, 'मुझे भी बुझ जाना चाहिए। निरंतर शांति की रोशनी देने के बावजूद भी लोग हिंसा कर रहे हैं।' और वह दीया भी बुझ गया।

उत्साह और शांति के दीए के बुझने के बाद, जो तीसरा दीया हिम्मत था, वह भी अपनी हिम्मत खो बैठा और बुझ गया। उत्साह, शांति और हिम्मत के न रहने पर चौथे दीए ने भी बुझना उचित समझा। चौथा दीया समृद्धि था। सभी दीए बुझने के बाद केवल पांचवां दीया अकेला ही जल रहा था।

हालांकि पांचवां दीया सबसे छोटा था लेकिन वह निरंतर जल रहा था। तभी उस घर में एक लड़का आया। उसने देखा कि घर में सिर्फ एक ही दीया जल रहा है। वह खुशी से उछल पड़ा, चार दीए बुझने से वह दुखी नहीं हुआ बल्कि एक दीए के जले रहने से खुश हुआ, यह सोचकर कि कम से कम एक दीया तो जल रहा है। उसने तुरंत पांचवां दीया उठाया और बाकी के चार दीए फिर से जला दिए। जानते हैं यह पांचवां दीया कौन-सा था? यह था ...उम्मीद। *

## अँधेरा होने से बचा लिया

**मैं** दीपावली के लिए पूजन सामग्री, मिठाई, फल और रोशनी के लिए झिलमिल झालर, पटाखे-फुलझड़ी लिए खुशी से झूमता हुआ घर आ रहा था कि सामने देखा तो एक कार लहराती हुई आयी और मोटरसाइकिल वाले को टक्कर देती हुई निकल गई। उसके पास के मिठाई और पटाखे दूर तक बिखर गए।उसके सिर पर गहरी चोट आई थी। चंद पलों में भीड़ इकट्ठी हो गई।कुछ लोग सहानुभूति जताने लगे तो कुछ... वीडियो बनाने लगी और कई संवेदनशील राहगीरों ने 108 एम्बुलेंस को फ़ोन किया लेकिन 108 एम्बुलेंस नहीं आई। बराबर आश्वासन मिलता रहा की धैर्य बनाए रखें, एम्बुलेंस पहुँचने वाली है लेकिन 108 एम्बुलेंस नहीं आई।

आधा घंटा हो गया एम्बूलेंस नहीं आई, खून से सड़क तर बतर हो चुकी थी।मुझसे देखा न गया,मैंने आव देखा न ताव,घायल को राहगीरों की मदद से जैसे तैसे गाड़ी में डाला और फ़ोर्टिस ले गया।

उसका फ़ोन लॉक था। उसके किसी अपने को ख़बर न कर सका।उसकी उम्र मात्र पैंतीस के आस पास रही होगी।

डॉक्टर ने जाते ही खून बंद होने का इंजेक्शन दिया लेकिन कहा कि खून काफ़ी बह चुका है, ब्लड चढ़ाना होगा ।अन्यथा बचाना मुश्किल है।

कुछ समझ नहीं आया,घर जाकर दीपावली मनाऊँ या ब्लड देकर इसे बचाऊँ।

सोचा इसको इसी हाल में छोड़कर चला जाता हूँ तो मैं स्वयं अपने आप को कभी माफ़ नहीं कर पाऊँगा।

मैं तो केवल इस बार ही दीपावली नहीं मना पा रहा लेकिन इसे कुछ हो गया तो इसके बच्चे आजीवन इसके साथ दीपावली नहीं मना पाएंगे।

मेरा ब्लड ग्रुप ओ पॉज़ीटिव था सब को चढ़ सकता है।

मैंने अपने आप को मज़बूत किया और डॉक्टर को कहा दो यूनिट ब्लड मेरा ले लीजिए और किसी भी तरह इसे बचा लीजिए।



ज्ञानवती सक्सैना 'ज्ञान'

रात को उसे ब्लड चढ़ा।सुबह जब उसे होश आया तो उसके घर वालों को सूचना देकर मैं निश्चिंत हुआ।

दीपावली की सुबह मैं घर आया हालाँकि मैंने फ़ोन पर रात को ही घर पर सारी स्थिति बता दी थी।

मैं इस बार बच्चों के साथ दीपावली तो नहीं मना पाया लेकिन मैंने किसी के घर में अंधेरा होने से बचा लिया था। उसके बच्चे उसके साथ हमेशा दीपावली मना पाएंगे।मुझे ये सुकुन था।

## बाल पहेलियाँ

1
तम को दूर भगाने वाला,
तीन अक्षर का मेरा नाम।
प्रथम हटे तो पक बन जाता,
नाम बताओ भोलू राम।




2
ऐसा त्यौहार अनोखा बच्चों,
जग रोशन कर देता।
चहुंदिश चलती फुलझड़ियाँ,
तुम से कुछ न लेता।

3
तीन अक्षर का मेरा नाम,
हर त्यौहार में मुझको खाओ।
प्रथम अक्षर म है मेरा,
झटपट मेरा नाम बताओ।

4
तम को दूर भगाने वाली,
दीपक मुझको समझ न लेना।
प्रथम अक्षर झ मेरा,
नाम मेरा बच्चों अब कहना।

5
धूम धड़ाका खूब करूँ मैं,
तीन अक्षर का मेरा नाम।
अंतिम अक्षर खा है मेरा,
नाम बताओ भोलूराम।

उत्तर :
1 दीपक,
2 दीपावली,
3 मिठाई,
4 झालर,
5 पटाखा

डॉ कमलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जालौन उ.प्र.

प्रकाश पर्व दीपावली से सिर्फ धार्मिक-सांस्कृतिक कारक ही नहीं जुड़े हैं, सामाजिक सरोकार भी जुड़े हैं, जो हमारे जीवन में खुशियों का उजियारा फैलाते हैं। यह पर्व हमें सीख देता है कि संकट का अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, अपनों के संबल से एक न एक दिन छंटता ही है। कोरोना संकट काल पर भी यही बात लागू होती है। आइए, इस दीपोत्सव हम अपने भीतर के प्रकाश को आलोकित करें, सकारात्मक हों और एक-दूसरे का संबल बन कोरोना संकट का मुकाबला करें।

# दीपोत्सव
# फैले खुशियों का उजियारा

उद्देश्य

डॉ. मोनिका शर्मा

दीपावली का पर्व रोशनी के साथ जीवन में खुशहाली की सौगात लेकर आता है। यह पर्व एक परंपरा है, सबके साथ खुशियां साझा करने की। झिलमिल दीपों से सजे चौखट-चौबारे देखकर हमारे मन में सकारात्मक ऊर्जा के भाव स्वतः जागते हैं। इस तरह दीपोत्सव हमारे जीवन को ही नहीं, हमारे अंतस के हर कोने को प्रकाश से जगमगा देता है। आज जब हमारा देश कोरोना की विपदा घिरा है, तो दीपोत्सव का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है, क्योंकि ये हमें सकारात्मक रहने का संदेश देता है। हमें इस संदेश को अपने जीवन में गहरे से आत्मसात करना चाहिए। सिर्फ अपनी ही नहीं, दूसरे के भीतर भी बैठे दुख-निराशा को दूर करना चाहिए।

### सबका मन-जीवन हो रोशन

कोरोना संकट ने हमें जीवन की अनिश्चितता और उलझनों से रूबरू करवाया है। कई लोग निराशा के अंधकार से घिर उठे हैं, लेकिन नकारात्मक सोच रखने से हमारा ही अहित होगा। ऐसे प्रतिकूल समय में हमें सहजता पूर्वक खुद को अपने परिवेश से जोड़ना चाहिए, तभी हमारी सोच में सकारात्मकता आएगी। दीपावली का त्योहार भी यही समझाता है कि अंधकार में प्रकाश छुपा है, बस जरूरत है एक प्रयास की, जो उस प्रकाश को अंतस से बाहर लाए। इस पर्व में सबकी सुख-समृद्धि और खुशियों की कामना की जाती है। हर घर-आंगन के लिए ऐसे खुशनुमा माहौल की चाह रखी जाती है, जिसमें दरिद्रता, दुख और अंधकार नहीं, सुख-समृद्धि का प्रकाश हो। किसी भी आंगन में अंधियारा ना रहे। साथ ही सकारात्मक सोच और व्यवहार हमारे जीवन का हिस्सा बन जाए, मन को नकारात्मक भावों से मुक्ति मिले। वाकई दीपावली के पर्व की सार्थकता यही है कि सबका जीवन खुशियों से रोशन हो।

### आलोकित हों मानवीय भाव

दीप पर्व पर रात्रि के समय चारों तरफ फैला प्रकाश यही संदेश देता है कि हम संकटकाल में भी रोशनी की रिवायत को आगे ले जाएं, इसे विस्तार दें। वैश्विक महामारी कोरोना से जूझने के इस दौर में ऐसी इंसानी समझ बहुत जरूरी है। इससे ही विपदा के समय परिवार और समाज आपस में जुड़ा रह सकता है। दीपावली के जरिए घर-परिवार और समाज के लोगों को हर्षोल्लास के साथ सामाजिक सरोकारों और जिम्मेदारी निभाने की भी सीख मिलती है। इस पर्व से जुड़ी कितनी ही परंपराएं हैं, जो हमारे अपने ही नहीं, दूसरों के जीवन में भी रोशनी भरने की सीख देती है। साथ ही जगमग करते दीपों के साथ हमारी मानवीय सोच भी उजास पाती है। ऐसी ही उजास भरी संवेदनाओं की दरकार कोरोना संकट का सामना करने के लिए जरूरी है।

### संकट में साथ और संबल की सोच

दीपावली पर घर के आंगन और मुंडेर पर जैसे दीपों की पंक्तियां मिलकर अंधेरे का अंत करती हैं, वैसे ही एकजुट होकर किसी भी समस्या का सामना हम मिलकर कर सकते हैं। इसी तरह हम सब कोरोना के संकट का भी मुकाबला कर सकते हैं। इस संकट के समय जागरूक रहकर अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी है। हमें दीपावली के प्रज्ज्वलित दीए के समान ही समाज, परिवार और अपने देश के लिए ज्योतिपुंज बनना है। स्वयं को प्रकाशमय और चेतना संपन्न बनाना है। साथ ही अपनों को भी उजास की सकारात्मकता से जोड़े रखने का प्रयास करना है। उनका संबल बनना है। इस तरह की सोच और विचार के साथ ही हम कोरोना संकट काल में खुशियों भरी दीपावली मना सकते हैं।

कविता

अलका 'सोनी'

### एक दीया जलाना जरूरी है

रात के अंधेरे को अब मिटाना जरूरी है,
इसलिए एक दीया जलाना जरूरी है।
चले आ रहे हैं पथिक कई इस ओर,
राह उनको दिखाना भी जरूरी है।
जगमगा रहा है देखो दिग-दिगंत,
घर में भी दीए अब लगाना जरूरी है।
सजा रहे हर रंग जीवन का सदा,
द्वार पर रंगोली सजाना जरूरी है।
शबरी के बेर शौक से प्रभु ने थे खाए,
अपने हाथों भी लड्डू खिलाना जरूरी है।
आतिशबाजी कर लेंगे हम बाद में, अभी
घर किसी के कैंडल दे आना जरूरी है।
त्योहार है यह खुशियों से भरा, इसको
संग सबके मिलकर मनाना जरूरी है।

## भोर...

अल सुबह जब चाँदनी..
तारों के साथ चली जाती है,
अपनी नर्मर शीतल रोशनी को ले जाती है,
तब भोर आकर महकाती है अपनी ऊषा से,खग वृन्दन,अलि गुंजन
पात पर पड़ी ओस भी हल्की सिहर गुम हो जाती है कहीं,
सोने से दमकती कायनात
हल्की हवा के झोंकों से दमकती है,
नीड़ छोड़ पंछी भी
उड़ते हैं उन्मुक्त गगन में
वही वन में छोनो की छलांग
भरे नयन में नीर करते है स्वागत
कहीं कोयल की कुहुक
देती है आभास सरगम सा
कहीं पपीहे की पीहू
मन कमलिनी से खिला
करती है इंतज़ार भौरों का
झरने की कलकल
चिड़ियों के कलरव सा
नई सुबह आगाज़ कर
उठती है ध्रुव को
जीने का जोम दिला
आशा की किरण बन
उजास मन में
प्रफुल्लित हो उठती है
नई सुबह की प्रयत्नुश वेला।

स्मिता शुक्ला
कवियत्री, आर्टिस्ट, समाज सेविका

## विजयी राम

इधर आरती उधर अजान दोनों की आवाज सुनते हैं कान
दोनों उसे पुकारते जिसका माटी का पुतला है इन्सान
जो दुनिया को घर समझते,अपना दर्शन अपना ज्ञान
जो दुनिया को सराय समझते,अपना दर्शन अपना ज्ञान
एक ने लंका जीत कर दिखाई एक ने लंका हार कर गंवाई
राम ने बढ़ाया अपना मान रावण का टूट गया अभिमान
ज्यूँ ज्यूँ दिन चढ़ता जाता त्युं त्युं दिन ढलता जाता
ज्यूँ ज्यूँ उम्र बढ़ती जाती त्युं त्युं होता जीवन का अवसान
कैसी यह हिरत-फिरत की छाया है,नाम इसका माया है
यह जहाँ ना जाये वो कंगाल, यह जहाँ जाये वो धनवान
आरती हो या अजान मिठास घोलते यूँ सारा जहान
चाहे कहे कोई मेरा अल्लाह चाहे कहे कोई मेरा भगवान।।

दिलीप तम्बोली,
अजमेर

# राइट मेकअप से पाएं
# परफेक्ट दिवाली लुक

दिवाली के दिन चारों तरफ रोशनी फैली रहती है, ऐसे खास मौके पर आपके चेहरे पर भी एक चमक नजर आनी चाहिए। इसके लिए अच्छी ड्रेसअप के साथ परफेक्ट मेकअप भी जरूरी है। दिवाली पर आप परफेक्ट-अट्रैक्टिव लुक कैसे पाएं, जानिए।

मेकअप

पूजा गोयल, ब्यूटी एक्सपर्ट

कोरोना संक्रमण के बावजूद भी लोगों में त्योहार के प्रति उल्लास-उमंग है। लोग दिवाली की तैयारी में लगे हैं। आप इस दिन अलग नजर आना चाहेंगी। मेकअप करते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखेंगी तो दिवाली पर आपका लुक रोशन हो उठेगा।

### स्किन को करें तैयार

मेकअप शुरू करने से पहले स्किन को अच्छे से तैयार करना जरूरी होता है। इसके लिए आप स्किन की क्लींजिंग, टोनिंग करें। आप अपनी स्किन टाइप के अकॉर्डिंग ही क्लींजर यूज करें। ऑयली और ड्राय स्किन पर अलग-अलग टाइप के क्लींजर यूज किए जाते हैं।

### बेस बनाएं

स्किन को तैयार करने बाद मेकअप के लिए बेस बनाना होता है। इसमें स्किन को अच्छे से मॉयश्चराइज करें। इस मौसम में स्किन अकसर ड्राय हो जाती है। इसलिए आप हाइड्रेटिंग मॉयश्चराइजर का ही इस्तेमाल करें। आप चाहें तो डीप हाइड्रेशन के लिए सीरम भी अप्लाई कर सकती हैं। इसके बाद आप हाइड्रेटिंग प्राइमर लगाएं। इससे मेकअप का परफेक्ट बेस बनेगा। इससे मेकअप लॉन्ग लॉस्टिंग भी रहेगा।

### फाउंडेशन-कंसीलिंग

फाउंडेशन मेकअप का एक इंपॉर्टेंट पार्ट होता है। इस मौसम में आप सिलिकॉन, ऑयल बेस्ड फाउंडेशन ही अप्लाई करें। इससे आपके फेस पर ग्लो बना रहेगा। इस समय आप मैट फाउंडेशन को पूरी तरह से अवॉयड करें। इससे आपका पूरा लुक ड्राय नजर आएगा, जो अच्छा नहीं लगता है। अगर आप लिक्विड फाउंडेशन लगा रही हैं तो इसे लूज पावडर से जरूर लॉक करें। इससे मेकअप लॉन्ग लास्टिंग बना रहेगा। अगर आपके फेस पर डार्क सर्कल या दाग-धब्बों के निशान हैं तो कंसीलिंग जरूर करें। इसके लिए आप एक शेड डार्क कंसीलर का इस्तेमाल करें।

### कंटूरिंग-हाईलाइटिंग

आप अपने फेस कट के अकॉर्डिंग कंटूरिंग करें। दो शेड डार्क कंटूरिंग कलर का इस्तेमाल करें। अपने फोरहेड, चीक बोंस को दो शेड लाइट हाईलाइटर से हाईलाइट करें। आप पावडर, क्रीम बेस्ड हाईलाइटर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

### आइज-लिप्स मेकअप

फेस्टिव मेकअप में आइज को हाईलाइट करना चाहिए। इसके लिए आप ग्लिटरी, ग्लो करने वाला आई मेकअप करें। आप अपने ड्रेस कलर के अकॉर्डिंग आईशैडो चूज कर सकती हैं। लाइनर लंबा लगाएं। आप चाहें तो आंखों को हाईलाइट करने के लिए वॉटर लाइन में भी कलर लाइनर लगा सकती हैं। इसके साथ आप लिप मेकअप को लाइट रखें।

प्रस्तुति : अंजू रावत

### कलर करेक्शन पर दें ध्यान

**आपकी स्किन** पर कलर डिफरेंस है तो आप कलर करेक्शन की हेल्प ले सकती हैं। अगर स्किन पर काफी दाग हैं तो ऑरेंज कलर से करेक्शन करें। कम दाग पर आप यलो कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन का कलर एकसार दिखेगा।

# दीप जलें दिल नहीं...

शालिनी श्रीवास्तव

दीपावली दहलीज़ पर है। तीज, त्यौहार, पर्व और परम्परायें जीवन में उत्साह और उमंग लेकर आते हैं। बहुत सच है कि रिश्तों की मज़बूती और स्नेह में बढ़ोतरी करने में इन उत्सवों का गहरा असर होता है। मानवता का महत्व भी इन्हीं में कहीं छिपा है।

इन उत्सवों को हम दान, दक्षिणा, सेवा से परिभाषित करते हैं। ऐसे में कोविड-19 के जिस दौर से अभी मानवजाति गुजरी है वह अकल्पनीय, अप्रत्याशित दौर था कि परस्पर दूरी रखना अनिवार्य हो गया। यह सोशियल नहीं फिजिकल डिस्टेंस था मात्र। सामाजिक समारोह,उत्सवों पर प्रतिबंध लगा लेकिन मानवता ने अपना वजूद खत्म नहीं होने दिया। कोविड-19 के तूफान के बाद लोगों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हुआ है। बेरोजगारी बढी है। आर्थिक स्तर पर असर हुआ है। हाथ तंग होने से हतोत्साहित होना स्वाभाविक है। आर्थिक रूप से सम्पन्न परिवार एक बार को तो सम्भलने की स्थिति में भी आये हैं लेकिन मध्यम व निम्न वर्ग का हाल बुरा है।

घर में आटा दाल नहीं दिवाली के दीये का तेल कहाँ से लाएंगे?

दिल जल रहे हों तो दीये कैसे जलाएंगे ये परिवार?

अरमानों की आतिशबाजी सूनी है तो

### घर में आटा दाल नहीं दिवाली के दीये का तेल कहाँ से लाएंगे?
## दिल जल रहे हों तो दीये कैसे जलाएंगे ये परिवार?
### अरमानों की आतिशबाजी सूनी है तो पटाखों की आतिशबाजी कैसे होगी?

निदा फ़ाज़ली साहब की यह ग़ज़ल यही दुहाई देती नज़र आती है.....

हर एक घर में दीया भी जले, अनाज भी हो
अगर ना हो कहीं ऐसा तो एहतजाज भी हो
हर एक घर में..
हुकूमतों को बदलना तो कुछ मुहाल नहीं
हुकूमतें जो बदलता है वो समाज भी हो
अगर ना हो कहीं ऐसा तो एहतजाज भी हो
हर एक घर में...

रहेगी कब तलक वादों में क़ैद ख़ुशहाली
हर एक बार ही कल क्यों,
कभी तो आज भी हो
अगर ना हो कहीं ऐसा तो एहतजाज भी हो
हर एक घर में...

1.एहतजाज : आंदोलन, विरोध, या बहस
2.मुहाल : असंभव या कठिन

पटाखों की आतिशबाजी कैसे होगी?

इस पर विचार करने की आवश्यकता है चिंतन मनन करने की ज़रूरत है हमें कि-

क्या हम किसी एक परिवार की खुशियों की वजह बन सकते हैं?

क्या हम नज़र दौड़ा सकते हैं उन ज़रूरतमंदों की ओर जो स्वाभिमानी हैं लेकिन इस दौर के शिकार हैं और आर्थिक रूप से टूटे और बिखरे हुए हैं?

देख सकते हैं ,उन लोगों की ओर जो बेरोज़गार हैं और वास्तविक रूप से ज़रूरतमंद हैं? पटाखों में पूंजी फूँककर हम क्या पायेंगे ....प्रदूषण या दुर्घटना या पैसों को एक रात में फूँकना?

लेकिन ज़रा सोचिए जब आपकी पूँजी से किसी के अरमान पूरे होंगे....

किसी के घर का चूल्हा जलेगा?

किसी के घर में दिए जलेंगे?

या किसी की खुशियों का आँगन जगमग होगा?

तो क्या उस खुशी का कोई मूल्य हो सकता है?

क्या उस सुख और शांति की तुलना किसी भी भौतिक सुख-संपत्ति से की जा सकती है?

नहीं कभी नहीं !

हम जब भी कोई निःस्वार्थ सेवा करते हैं उसकी तुलना कभी किसी भी भाव-मोल से नहीं की जा सकती। यह भाव अनमोल होते हैं।

यह पैसा बचाकर हम किसी ज़रूरतमंद की खुशियों का कारण बन सकते हैं। इस बार दिवाली पर भेंट भरे-पूरे रिश्तेदारों को न देकर इस तरह की किसी एक परिवार को भी भेंट दे पायें तो त्यौहार का असली अर्थ सफल हो जाएगा।

इसी तरह सड़क के किनारे बैठे सब्जी वाले, ठेलों पर सामान बेचते लोग, मिट्टी के दीये बेचते कुम्हार, पूजा सामग्री बेचती महिलाएँ, सजावटी सामान बेचते गरीब बच्चे, रिक्शे वाले यह सब मेहनती और स्वाभिमानी हैं बस इन्हें आपसे दरकार है कि आप इनसे इनका सामान खरीदें और इन्हें अपने घर की खुशियाँ मनाने की वजह दें।

दीपावली के इस जगमग त्यौहार पर हम किसी के आँखों की चमक बन सकें किसी की खुशियों का हिस्सा बन सकें किसी के होठों पर मुस्कान ला सकें यही हमारी दीवाली का ध्येय होना चाहिए। दीप जलें दिल नहीं यह भाव अगर हृदय में रहे तो यह भाव त्यौहार की उमंग को दुगुना कर जाएंगे ।

hillviewsamachar@gmail.com

# हिलव्यू समाचार

06

जयपुर, मंगलवार, 02 नवम्बर, 2021

### 'सत्याग्रह की वर्तमान में प्रासंगिकता' पर संगोष्ठी एवं प्रतिमा अनावरण

# गांधीजी को आवरण नहीं अन्तर्मन से अपनाएं : मुख्यमंत्री गहलोत

कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** रविवार 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'सत्याग्रह की वर्तमान में प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित राज्यस्तरीय संगोष्ठी को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर सीकर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में महात्मा गांधीजी की प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण किया। साथ ही सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से गांधीजी के जीवन एवं दर्शन पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी 'गांधी दर्शन आजादी से पूर्व और आजादी के पश्चात गौरवशाली यात्रा' का शुभारम्भ भी किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के जीवन मूल्य एवं सिद्धान्त देश और दुनिया के लिए धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी को आवरण के रूप में नहीं अन्तर्मन से आत्मसात करना होगा तभी लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों को अक्षुण्ण रखा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि असहिष्णुता के दौर में बापू के सत्याग्रह के सिद्धान्त की प्रासंगिकता और प्रबल हुई है।

उन्होंने कहा कि गांधीजी के अहिंसा के सिद्धान्त को संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी मान्यता दी। यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने यह प्रस्ताव पारित किया कि गांधीजी के जन्म दिवस, 02 अक्टूबर को 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा कि सत्याग्रह स्वतंत्रता आंदोलन का कभी न भूलने वाला ऐसा अध्याय है, जो एकाधिकारवादी सत्ता के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को सतत् संघर्ष की प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने इसके जरिए समाज के सभी वर्गों को एकता के सूत्र में बांधा और विश्व इतिहास के सबसे सफल अहिंसक आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा राज्यमंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार ने गांधीजी के 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वृहद् स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन कर गांधीजी के जीवन मूल्यों और सिद्धान्तों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में गांधी साहित्य उपलब्ध करवाकर नई पीढ़ी को गांधीजी के आदर्शों और विचारों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

### जलदाय मंत्री की अध्यक्षता में आरडब्ल्यूएसएसएमबी की नीति निर्धारण समिति (पीपीसी) की बैठक

## जल जीवन मिशन में प्रदेश के 3826 गांवों में 7 लाख 37 हजार 644 'हर घर नल कनेक्शन' को मंजूरी

**जयपुर।** जलदाय मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला की अध्यक्षता में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तहत राजस्थान वाटर सप्लाई एवं सीवरेज मैनेजमेंट बोर्ड (आरडब्ल्यूएसएसएमबी) की नीति निर्धारण समिति (पीपीसी) की 206वीं बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से आयोजित की गई। डॉ. कल्ला ने बैठक में प्रदेश में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत मेजर प्रोजेक्ट्स तथा रेग्यूलर विंग में 3826 गांवों में 7 लाख 37 हजार 644 'हर घर नल कनेक्शन' देने के एजेंडा प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया, इन पर 8354 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। इसमें 27 वृहद पेयजल परियोजनाओं के तहत 9 जिलों बाड़मेर, राजसमंद, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, जोधपुर, कोटा, नागौर एवं बारां के 3 हजार 794 गांवों में 8264 करोड़ रुपये की राशि से 7 लाख 27 हजार 394 'हर घर नल कनेक्शन' दिए जाएंगे। इसी प्रकार रेग्यूलर विंग में 4 जिलों जैसलमेर, दौसा, बांसवाड़ा एवं सवाईमाधोपुर के 42 गांवों में 12 सिंगल एवं मल्टी विलेज ग्रामीण पेयजल योजनाओं के तहत 12 हजार 260 'हर घर नल कनेक्शन' के लिए कुल लागत 96.62 करोड़ रुपये के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। जलदाय मंत्री ने बैठक में मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत जालौर जिले में भीनमाल जलप्रदाय योजना के लिए 50.97 करोड़ रुपये, बाड़मेर शहरी जल प्रदाय योजना की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए 13.09 करोड़ रुपये, जयपुर में शाहपुरा की शहरी जल प्रदाय योजना की प्रशासनिक स्वीकृति के लिए 21.20 करोड़ रुपये तथा जयपुर में ही विराटनगर की शहरी जल प्रदाय योजना की प्रशासनिक स्वीकृति के लिए 16.80 करोड़ रुपये के प्रस्तावों का अनुमोदन किया। इसके अलावा अलवर में थानागाजी की शहरी जल प्रदाय योजना के कन्वर्जन के लिए 21.86 करोड़ रुपये तथा जयपुर में झोंटवाड़ा स्थित उद्योग नगर में जलप्रदाय योजना के तहत ईएसआर एवं पाइपलाइन के कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीति के लिए 1032.41 लाख रुपये आदि प्रस्तावों का भी अनुमोदन किया।

## कोलकाता में पोटेंशियल इन्वेस्टर्स के साथ रोड शो कार्यक्रम

**जयपुर।** कोलकाता के होटल ग्रैंड ओबराय में राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव और बी.आई.पी. की अतिरिक्त कमिश्नर रुक्मिणी रियार ने पोटेंशियल इन्वेस्टर्स के साथ वन टू वन इंटरेक्शन किया। बैठक के दौरान प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों और राजस्थान में निवेश की इच्छुक कंपनियों ने राज्य में निवेश की जताई इच्छा। वन टू वन इंटरेक्शन के दौरान कंपनियों ने अपने -अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की नई संभावनाओं को साकार करने से संबंधित अपने विचार रखे। राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि अगले वर्ष जनवरी में होने वाले इन्वेस्ट राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले देश के विभिन्न हिस्सों में ये रोड शो किए जा रहे हैं जिसकी इस कड़ी में कोलकाता में रोड शो का आयोजन किया गया है। इस रोड शो के दौरान कोलकाता में इच्छुक निवेशकों के साथ हुई बैठक के दौरान उन्होंने खनन ,केमिकल, रोबोटिक्स इलेक्ट्रॉनिक्स, कंस्ट्रक्शन, रियल स्टेट, टूरिज्म, ऑटोमेटिक, रिन्यूएबल एनज ,पैट्रोलियम ,नेचुरल गैस, व्हीकल इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक व्हीकल, टैक्सटाइल, प्लास्टिक, लॉजिस्टिक, सीमेंट, ट्रांसपोर्टेशन, बायोटेक, इत्यादि क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों ने राजस्थान में इन्वेस्टमेंट की इच्छा जताई है।

## आगामी 1 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता अपना नाम मतदाता सूची अवश्य जुड़वाएं: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

### 14 व 21 नवम्बर को सभी मतदान केन्द्रों पर आयोजित किये जाएंगे विशेष शिविर

**जयपुर।** मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संदर्भ तिथि 1 जनवरी, 2022 के क्रम में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता सूचियों का नवीनीकरण करने लिए कार्यक्रम निर्धारित किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य के 198 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन 1 नवम्बर, 2021 (सोमवार) को किया जायेगा। शेष 2 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों वल्लभनगर एवं धरियावद की प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 नवम्बर को किया जायेगा। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटवाने अथवा संशोधन हेतु दावे एवं आपत्तियों के प्रार्थना पत्र ऑनलाइन/ऑफलाइन 1 से 30 नवम्बर तक प्राप्त किये जायेंगे। दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त करने की अवधि में 13 एवं 20 नवंबर को ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में ग्रामसभा/ वार्डसभा के साथ बैठक आयोजित कर प्रारूप मतदाता सूची का पठन व प्रविष्टियों का सत्यापन किया जायेगा तथा मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न आवेदन पत्र मौके पर ही प्राप्त किये जाएंगे।

**14 व 21 नवम्बर को मतदान केन्द्रों पर विशेष अभियान:** मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त करने की अवधि में बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर समय निर्धारित कर मतदाता सूचियों के साथ उपलब्ध रहेंगे तथा विभिन्न आवेदन पत्र प्राप्त करेंगे। आम नागरिकों की सुविधा के लिए 14 व 21 नवम्बर को मतदान केन्द्रों पर विशेष शिविर आयोजित किये जाएंगे। इन तिथियों पर बूथ लेवल अधिकारी राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तरीय अभिकर्ता के साथ उपस्थित रह कर प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे के मध्य दावे एवं आपत्तियों के प्रार्थना पत्र प्राप्त करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी, 2022 को किया जायेगा।

**कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए स्वीप कार्य योजना:** प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रारूप प्रकाशन की निर्धारित तिथि से पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में व्यापक रूप से स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को विभिन्न विभागों से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं का डाटा उपलब्ध कराया गया है ताकि वह अग्रिम रूप से इनसे सम्पर्क कर विभिन्न पत्रादि तैयार करने हेतु निर्देशित कर सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस बार पुनरीक्षण कार्यक्रम की अवधि में अधिक से अधिक संख्या में ऑन लाइन आवेदन पत्र प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अतः इस विषय में शैक्षणिक संस्थानों में सम्पर्क कर उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के वोटर हैल्प लाईन एप को डाउनलोड करा कर इसके माध्यम से पंजीकरण हेतु आवेदन करने बाबत प्रेरित किया जा रहा है। उक्त गतिविधि साक्षरता क्लबों के माध्यम से भी व्यापक रूप से आयोजित की जा रही है। ऑनलाईन आवेदन हेतु भारत निर्वाचन आयोग के एनवीएसपी पोर्टल पर उपलब्ध पंजीकरण की सुविधा की जानकारी भी दी जा रही है। गुप्ता ने बताया कि गत पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 60 प्रतिशत से अधिक आवेदकों ने ऑनलाईन आवेदन किया था।

**राज्य की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 4 करोड़ 95 लाख से ज्यादा मतदाता:** प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में राज्य में 4 करो? 95 लाख 20 हजार,53 मतदाता पंजीकृत हैं।

**विभाग की वेबसाइट पर खोजें अपना नाम:** प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 1 नवम्बर को जहां बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदान केन्द्रों पर प्रारूप मतदाता सूची का प्रदर्शन किया जायेगा वहीं दूसरी ओर विभाग के वेबसाईट पर भी इसी दिन प्रारूप मतदाता सूची उपलब्ध करवायी जायेगी। विभाग की वेबसाइट ceorajasthan.nic.in पर पूर्व में पंजीकृत मतदाताओं को घर बैठे ही अपना नाम खोजने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त वह वोटर हैल्पलाईन एप पर भी अपने नाम की प्रविष्टि को घर बैठे ही देख सकेंगे।

## मुख्यमंत्री कवि सम्मेलन में शामिल हुए

कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भारत सेवा संस्थान की ओर से रविवार 31 अक्टूबर रात्रि को महावीर पब्लिक स्कूल के सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन में सम्मिलित हुए। लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता एवं संकल्प दिवस पर आयोजित इस सम्मेलन की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने की।

शिक्षा राज्यमंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा, भारत सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष राजीव अरोड़ा, सचिव जीएस बाफना सहित अन्य पदाधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। सम्मेलन में कई जाने-माने कवियों ने देश के एकीकरण एवं अखंडता में सरदार पटेल, स्व. इंदिरा गांधी तथा अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत की।

## राजस्थान में नेटबंदी पर हाईकोर्ट सख्त

### याचिका पर कहा... संभागीय आयुक्त ने किस अधिकार से इंटरनेट बंद किया, अथॉरिटी तो गृह सचिव के पास है

कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने परीक्षाओं में इंटरनेट बंद करने के फैसले पर सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस फरजंद अली की बेंच ने इंटरनेट बंद करने की चुनौती देने वाली याचिका पर सरकार से सवाल करते हुए पूछा- संभागीय आयुक्त ने किस अधिकार से नेट बंद करने के आदेश जारी किए हैं। इंटरनेट बंद करने का अधिकार गृह सचिव के पास है। राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट एमएस सिंघवी ने हाईकोर्ट से समय मांगा है। अब अगली सुनवाई 23 नवम्बर को होगी। राजस्थान में हर परीक्षा में इंटरनेट बंद करा दिया जाता है। फिर भी नकल रोकने में सरकार नाकाम रही है। एडवोकेट नीरज यादव ने हाईकोर्ट में संभागीय आयुक्त के आदेश पर इंटरनेट बंद करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। याचिका में कहा कि टेंपरेरी सस्पेंशन ऑफ टेलीकॉम सर्विसेज पब्लिक इमरजेंसी आर पब्लिक सेफ्टी रूल्स 2017 के तहत केवल इमरजेंसी और लोक सुरक्षा के मद्देनजर ही नेटबंदी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं सालभर चलने वाली एक रूटीन प्रक्रिया है। यह इन दोनों कैटेगरी में नहीं आती है।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस फरजंद अली ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि संभागीय आयुक्त ने किस अधिकार से इंटरनेट बंद करने के आदेश जारी किए हैं। यह अधिकार गृह सचिव के पास हैं। याचिका में कहा कि सरकार प्रतियोगी परीक्षा में नकल रोकने का हवाला देकर नेटबंदी कर रही है। ये आमजन के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

**बिना वजह इंटरनेट बंद नहीं:** याचिकाकर्ता के वकील यर्थाथ गुप्ता ने कहा कि अनुराधा भसीन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिना वजह इंटरनेट बंद नहीं किया जा सकता है। नेटबंदी करना संविधान द्वारा दिए गए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है।

## अनुकंपा नौकरी के नियम बदले

### सरकारी कर्मचारी की ड्यूटी पर मौत होने पर विवाहित बेटी को मिल सकेगी नौकरी

कार्यालय संवाददाता

**जयपुर।** राजस्थान सरकार ने अनुकंपा नौकरी देने के नियम में बदलाव किया है। अब ड्यूटी के दौरान सरकारी कर्मचारी की मौत पर उसकी विवाहित बेटी को भी उसकी जगह सरकारी नौकरी मिल सकेगी। अनमैरिड कर्मचारी की ड्यूटी पर मौत होने की स्थिति में उसके माता-पिता और अनमैरिड भाई-बहनों में से किसी एक को नौकरी मिल सकेगी। इसके लिए नियमों में बदलाव किया गया है। राजस्थान मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पात्मक नियुक्ति (संशोधन) नियम की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। पिछले दिनों कैबिनेट ने अनुकंपा नियुक्ति के नियमों में संशोधन को मंजूरी दी थी। अब कार्मिक विभाग ने नियमों में बदलाव की अधिसूचना जारी की है।

नए नियमों में कर्मचारी की मौत पर उसकी विवाहित बेटी के नौकरी देने का प्रावधान जोड़ा है। कर्मचारी की मौत के बाद उसकी विवाहित बेटी को नौकरी तभी मिलेगी, जब उसके आश्रित में दूसरा कोई नहीं हो। आश्रित की कैटेगरी में पति या पत्नी, पुत्र या दत्तक पुत्र, अविवाहित पुत्री, विधवा या तलाकशुदा पुत्री या दत्तक पुत्री को शामिल किया है। मरने वाले कर्मचारी के आश्रितों में पति या पत्नी, पुत्र या दत्तक पुत्र, अविवाहित पुत्री, विधवा, तलाकशुदा पुत्री या दत्तक पुत्री नहीं होने पर ही विवाहित बेटी को नौकरी मिलेगी। अविवाहित सरकारी कर्मचारी की मौत के मामले में माता, पिता, अविवाहित भाई या अविवाहित बहन में से किसी को नौकरी मिल सकेगी। सरकारी कर्मचारी की मौत होने पर उसके एक आश्रित को नौकरी देने का प्रावधान है। अब तक विवाहित बेटी को नौकरी नहीं मिलती थी। अविवाहित कर्मचारी की मौत के बाद नौकरी को लेकर भी नियम उतने साफ नहीं थे। अब नए नियमों में प्रावधान जोड़कर सरल बनाया है।

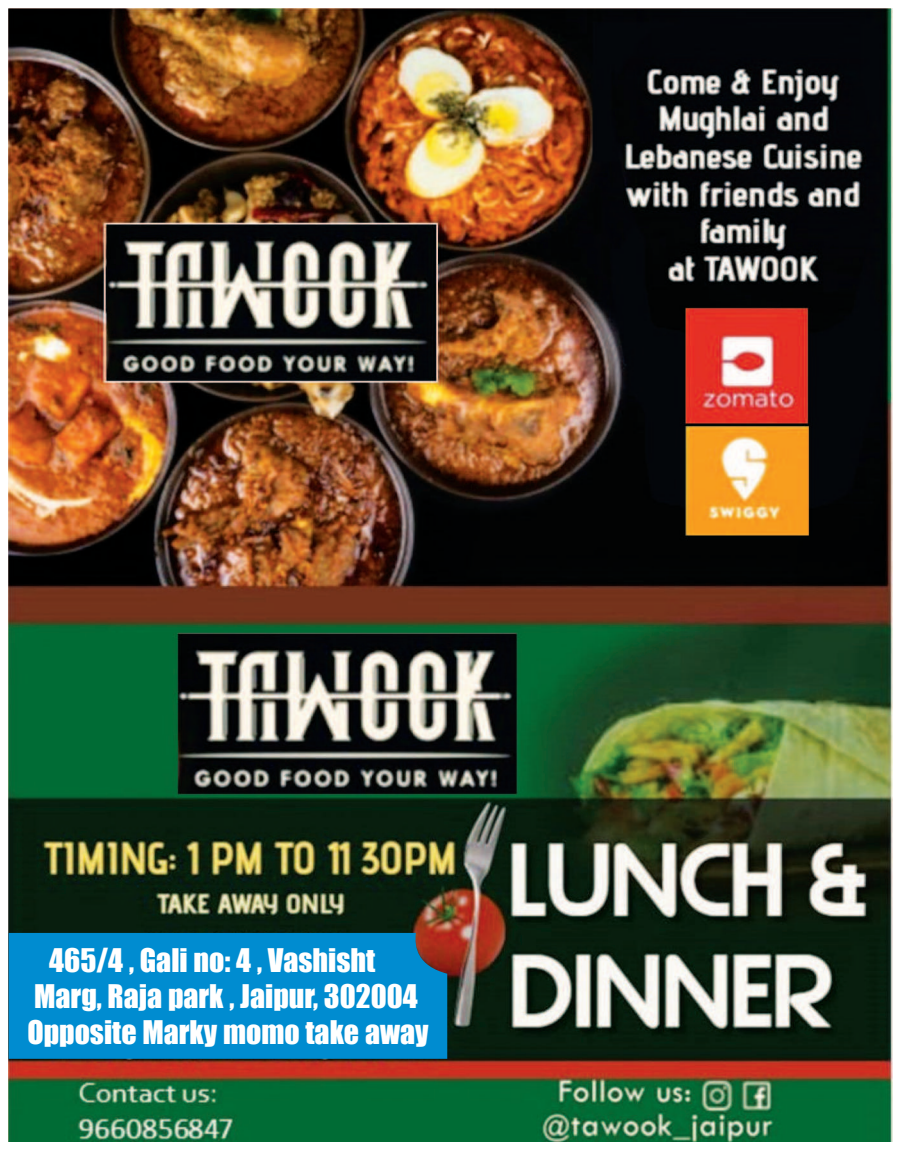


स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
**संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127** (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**